राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

AKSHANSH
PUBLICATION

RAS PSI

MODULE 2

MCQ +PYQ QUESTION BANK

नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

अभिकथन- कारण, युग्म, सुमेलित, सत्य- असत्य प्रश्नों के पैटर्न पर

सारगर्भित प्रश्नोत्तरों का संकलन

RAS एवं PSI के विगत वर्षों के प्रश्न व्याख्या सहित संकलन

भारत का इतिहास, कला, संस्कृति

राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परम्परा एवं विरासत

विशेषताएँ:

1. परीक्षा की दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण प्रश्नों का व्याख्या सहित हल
2. नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों का समावेशन
3. विगत वर्ष के प्रश्न-पत्रों के विश्लेषण पर आधारित प्रश्न

अक्षांश पब्लिकेशन
M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur

रतन सर | नागवेन्द्र सर

AKSHANSH

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

RAS PSI

MODULE 2

MCQ +PYQ QUESTION BANK

RAS एवं PSI के विगत वर्षों के प्रश्न व्याख्या सहित संकलन

भारत का इतिहास, कला, संस्कृति

राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परम्परा एवं विरासत

"अक्षांश प्रकाशन की समस्त पुस्तकें लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर के अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अक्षांश प्रकाशन की समर्पित टीम के सहयोग से तैयार की गई हैं।"

संपादक
रतन सर, नागवेन्द्र सर

सह संपादक
गंगासिंह, अनोपचंद मंडा
सुमेर, पप्पाराम

प्रकाशन
अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

नोट :- अब लक्ष्य क्लासेज़ की सभी आगामी पुस्तकें केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के माध्यम से ही प्रकाशित की जाएंगी। ये सभी पुस्तकें बाजार में 'अक्षांश' नाम से ही उपलब्ध होंगी। विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी समय में 'लक्ष्य' नाम से कोई भी पुस्तक प्रकाशित नहीं की जाएगी। इसलिए कृपया पुस्तक खरीदते समय केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के नाम से प्रकाशित और अधिकृत पुस्तकें ही बुक स्टोर्स से प्राप्त करें, ताकि आपको प्रमाणिक, अद्यतन एवं परीक्षा-उपयुक्त सामग्री प्राप्त हो।भविष्य में 'लक्ष्य' नाम से प्रकाशित किसी भी पुस्तक की सामग्री या गुणवत्ता की जिम्मेदारी 'अक्षांश प्रकाशन' या 'लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर' की नहीं होगी।

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM **INSTAGRAM** **YOUTUBE** **FACEBOOK** **WHATSAPP**

बुक कोड - AP0139

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
lakshyaclassesudr@gmail.com
मुख्य वितरक - लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर M. 9079798005, 6376491126
योगिता बुक हाऊस, जयपुर M. 6350252387, 8432478146
खण्डेलवाल बुक कंपनी, जयपुर M. 8619587048, 9782611527
Chavi Stationary, जयपुर M. 8058470323, 9680946800
पायल बुक हाऊस, जयपुर M. 8824962419, 7296876820
Diligent, उदयपुर M. 9694575381

इस पुस्तक में दी गई सभी जानकारियाँ, तथ्य और सूचनाएँ सावधानीपूर्वक सत्यापित की गई हैं। फिर भी यदि किसी जानकारी या तथ्य में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसके लिए प्रकाशक, संपादक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं होंगे।

हमारा विश्वास है कि इस पुस्तक की सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से तैयार की गई है। यदि किसी प्रकार का कॉपीराइट उल्लंघन सामने आता है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रकाशक की नहीं होगी।

सभी विवादों के निपटारे के लिए न्यायिक क्षेत्र उदयपुर रहेगा।

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

विषय वस्तु

01 राजस्थान का इतिहास

क्र.	अध्याय	RAS	SI	पृष्ठ संख्या
1.	राजस्थान के इतिहास के स्रोत	✓	✗	1 – 3
2.	राजस्थान की सभ्यताएँ	✓	✗	4 – 6
3.	राजस्थान के इतिहास की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ एवं राजवंश	✓	✓	7 – 48
4.	प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था	✗	✓	49 – 52
5.	1857 की क्रांति	✓	✓	53 – 58
6.	राजनीतिक जनजागरण	✓	✓	59 – 63
7.	प्रजामंडल आंदोलन	✓	✓	64 – 68
8.	किसान आंदोलन	✓	✓	69 – 73
9.	जनजातीय आंदोलन	✓	✓	74 – 78
10.	राजस्थान का एकीकरण	✓	✓	79 – 83
11.	राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व	✓	✓	84 – 90
12.	RAS के विगत वर्षों के प्रश्न	✓	✗	91 – 96
13.	SI के विगत वर्षों के प्रश्न	✗	✓	97 – 101

02 राजस्थान की कला एवं संस्कृति

क्र.	अध्याय	RAS	SI	पृष्ठ संख्या
1.	स्थापत्य कला	✓	✓	1 – 17
2.	चित्रकला	✓	✓	18 – 23
3.	लोक कला एवं हस्तशिल्प	✓	✓	24 – 29
4.	राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियाँ एवं क्षेत्रीय बोलियाँ	✓	✓	30 – 38
5.	मेले एवं त्योहार	✓	✓	39 – 46
6.	लोक संगीत	✓	✓	47 – 50
7.	वाद्य यंत्र	✓	✗	51 – 53
8.	लोक नृत्य एवं नाट्य	✓	✓	54 – 62
9.	परंपरा – रीति एवं रिवाज	✓	✓	63 – 66
10.	वेशभूषा एवं आभूषण	✓	✓	67 – 70
11.	लोक देवता एवं देवियाँ	✓	✓	71 – 82
12.	संत एवं सम्प्रदाय	✓	✓	83 – 89
13.	पर्यटन स्थल	✓	✓	90 – 93
14.	RAS के विगत वर्षों के प्रश्न	✓	✗	94 – 99
15.	SI के विगत वर्षों के प्रश्न	✗	✓	100 – 107

03 भारत का इतिहास

क्र.	अध्याय	RAS	SI	पृष्ठ संख्या
1.	सिंधु घाटी सभ्यता	✓	✓	1 – 3
2.	वैदिक युग	✓	✓	4 – 6
3.	बौद्ध, जैन एवं आजीवक धर्म	✓	✓	7 – 9
4.	मौर्यकाल	✓	✓	10 – 12
5.	मौर्योत्तर काल- कुषाण, सातवाहन	✓	✓	13 – 15
6.	गुप्तकाल	✓	✓	16 – 18
7.	गुप्तोत्तर काल	✓	✓	19 – 21
8.	दक्षिण भारत के राजवंश – चोल, चालुक्य एवं पल्लव वंश	✓	✓	22 – 24
9.	प्राचीन भारत में कला, स्थापत्य एवं वैज्ञानिक विकास	✓	✓	25 – 27
10.	भारतीय ज्ञान एवं मूल्य व्यवस्था: वर्णाश्रम, पुरूषार्थ, संस्कार, दर्शन एवं शिक्षा	✓	✓	28 – 30
11.	सल्तनत काल	✓	✓	31 – 33
12.	विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य	✓	✓	34 – 36
13.	मुगल काल	✓	✓	37 – 39
14.	मराठा साम्राज्य	✓	✓	40 – 42
15.	मध्यकाल में कला एवं वास्तु कला, साहित्य, चित्रकला और संगीत	✓	✓	43 – 45
16.	धार्मिक आंदोलन और भक्ति एवं सूफी आंदोलन	✓	✓	46 – 48
17.	ब्रिटिश साम्राज्य और प्रतिरोध मराठा, मैसूर, सिख	✓	✓	49 – 51
18.	1857 की क्रांति	✓	✓	52 – 53
19.	ब्रिटिश राजनीतिक, आर्थिक और प्रशासनिक नीतियाँ	✓	✓	54 – 56
20.	राष्ट्रवाद का उदय और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	✓	✓	57 – 58
21.	स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन	✓	✓	59 – 61
22.	19वीं एवं 20वीं शताब्दी में सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन	✓	✓	62 – 64
23.	स्वतंत्रोत्तर राष्ट्र निर्माण (2000 तक) एवं राज्य पुनर्गठन	✓	✓	65 – 67
24.	नेहरू युग में सांस्थानिक निर्माण, योजना एवं आर्थिक सुधार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	✓	✗	68 – 70
25.	RAS के विगत वर्षों के प्रश्न	✓	✗	71 – 76
26.	SI के विगत वर्षों के प्रश्न	✗	✓	77 – 81

❑❑❑❑

राजस्थान का इतिहास

राजस्थान के इतिहास के स्त्रोत

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. बड़ली अभिलेख राजस्थान का प्राचीनतम अभिलेख माना जाता है।
2. यह प्राकृत भाषा एवं ब्राह्मी लिपि में लिखा गया था।
3. यह अभिलेख वीर निर्वाण संवत 84 का उल्लेख करता है।
4. इससे माध्यमिका के जैन केन्द्र होने की जानकारी मिलती है।
5. इसे डी.आर. भंडारकर ने खोजा था।
6. यह अभिलेख अजमेर जिले से प्राप्त हुआ था।
निम्न में से कौन-से कथन सही हैं?
(a) 1, 2, 3, 4, 6 (b) 1, 2, 4, 5, 6
(c) 1, 3, 4, 5, 6 (d) 2, 3, 4, 5, 6

2. **घोसुण्डी अभिलेख के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. यह दूसरी शताब्दी ई.पू. का अभिलेख है।
2. यह संस्कृत भाषा का प्राचीनतम अभिलेख माना जाता है।
3. इसमें गजवंशीय राजा सर्वतात द्वारा अश्वमेध यज्ञ का उल्लेख है।
4. इसमें वासुदेव एवं संकर्षण की पूजा का वर्णन मिलता है।
5. यह राजस्थान में शैव सम्प्रदाय का प्राचीनतम अभिलेख है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?
(a) केवल 1, 2, 3 (b) केवल 1, 2, 3, 4
(c) केवल 2, 3, 4, 5 (d) केवल 1, 3, 5

3. **बसन्तगढ़ अभिलेख के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?**
1. यह खिमेल माता मंदिर से प्राप्त हुआ।
2. यह सामंती व्यवस्था की जानकारी देता है।
3. इसमें राजस्थानीयादित्य नामक अधिकारी का उल्लेख है।
4. यह नागरी लिपि एवं संस्कृत भाषा में लिखा गया है।
कूट:-
(a) 1, 2 और 3 (b) 2 और 4
(c) 1, 2, 3 और 4 (d) केवल 4

4. **निम्नलिखित का सुमेल कीजिए–**

सूची-I	सूची-II
A. कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति	1. नाणक मुद्रा
B. रणकपुर प्रशस्ति	2. विजय स्तम्भ
C. आहड़ अभिलेख	3. रघुवंश तिलक
D. अजमेर अभिलेख	4. राजस्थान में प्रथम फारसी अभिलेख

कूट:-
(a) A-2, B-1, C-3, D-4
(b) A-1, B-2, C-4, D-3
(c) A-3, B-4, C-1, D-2
(d) A-4, B-3, C-2, D-1

5. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. आहड़ ताम्रपत्र चालुक्य राजा भीम द्वितीय से संबंधित है।
2. खेरोदा ताम्रपत्र भूमि अनुदान से संबंधित है।
3. चीकली ताम्रपत्र वागड़ी भाषा में लिखा गया था।
4. पुर ताम्रपत्र रानी कर्मावती के जौहर का उल्लेख करता है।
5. सभी ताम्रपत्र केवल संस्कृत भाषा में लिखे गए थे।
सही उत्तर चुनिए–
(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 3, 5
(c) 1, 4, 5 (d) 1, 2, 5

6. **सिक्कों के अध्ययन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. सिक्कों का अध्ययन न्यूमिस्मेटिक्स कहलाता है।
2. नगर से 6000 ताँबे के सिक्के प्राप्त हुए थे।
3. राजस्थान में सर्वाधिक सिक्के मालव जनपद से मिले हैं।
4. नगलाछैल से गुप्तकालीन सिक्कों का विशाल निखात मिला है।
5. गधिया सिक्के स्वर्ण के सिक्के थे।
कूट:-
(a) 1, 2, 3, 5 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 2, 3, 4, 5 (d) 1, 3, 4, 5

7. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**
(a) मेवाड़ – स्वरूपशाही (b) बीकानेर – गजशाही
(c) आमेर – झाड़शाही (d) धौलपुर – लक्ष्मणशाही

8. **कथन (A) : शीतलेश्वर मंदिर राजस्थान का प्राचीनतम तिथियुक्त मंदिर माना जाता है।**
कारण (R) : इस मंदिर पर 689 ई. का अभिलेख अंकित है।
(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं, किन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, R गलत है।
(d) A गलत है, R सही है।

9. **निम्नलिखित कथनों में से असत्य कथन चुनिए–**
(a) बूंदी चित्रशैली प्रकृति चित्रण के लिए प्रसिद्ध है।
(b) कोटा चित्रशैली शिकार दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है।
(c) किशनगढ़ चित्रशैली नारी सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है।
(d) नाथद्वारा चित्रशैली युद्ध दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है।

10. **निम्नलिखित का सुमेल कीजिए–**

स्थल	उत्खननकर्ता
A. बागोर	1. बी.बी. लाल
B. कालीबंगा	2. वीरेन्द्र नाथ मिश्र
C. नोह	3. डी.आर. भंडारकर
D. बैराठ	4. रतनचन्द्र अग्रवाल

कूट:-
(a) A-2, B-1, C-4, D-3 (b) A-1, B-2, C-3, D-4
(c) A-3, B-4, C-1, D-2 (d) A-4, B-3, C-2, D-1

11. **जयानक के संबंध में कौन-सा कथन सही है?**
(a) हम्मीर महाकाव्य के लेखक थे।
(b) पृथ्वीराज विजय के लेखक थे।
(c) राजवल्लभ के लेखक थे।
(d) नैणसी री ख्यात के लेखक थे।

12. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. मंडन राणा कुम्भा के दरबारी विद्वान थे।
2. वे कुम्भलगढ़ के वास्तुकार थे।
3. उन्होंने राजवल्लभ ग्रंथ की रचना की।
4. राजवल्लभ में 14 अध्याय हैं।
5. इससे स्थापत्य कला की जानकारी मिलती है।

सही उत्तर है–
(a) केवल 1, 2, 3
(b) केवल 2, 3, 4, 5
(c) 1, 2, 3, 4, 5
(d) केवल 1, 3, 5

13. निम्न में से कौन-सा कथन मुहणौत नैणसी के बारे में असत्य है?
(a) वे मारवाड़ के दीवान थे।
(b) उन्हें राजपूताने का अबुल फजल कहा गया।
(c) उन्होंने अकबरनामा लिखा।
(d) उन्होंने नैणसी री ख्यात लिखी।

14. पृथ्वीराज राठौड़ के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. वे बीकानेर के रायसिंह के भाई थे।
2. वे अकबर के दरबार में थे।
3. वेलि क्रिसण रुक्मणी री उनकी प्रसिद्ध रचना है।
4. एल.पी. टेस्सीटोरी ने उन्हें डिंगल का होरेस कहा।
सही उत्तर चुनिए–
(a) 1, 2, 3
(b) 2, 3, 4
(c) 1, 3, 4
(d) 1, 2, 3, 4

15. कथन (A): अमीर खुसरो की कृतियाँ राजस्थान पर खिलजी आक्रमणों की जानकारी देती हैं।
कारण (R): उन्होंने अकबरनामा की रचना की थी।
(a) A और R दोनों सही हैं तथा R व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं।
(c) A सही है, R गलत है।
(d) A गलत है, R सही है।

16. जेम्स टॉड के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
(a) उन्होंने पहली बार राजस्थान शब्द का प्रयोग किया।
(b) वे स्कॉटलैण्ड के निवासी थे।
(c) उन्हें राजस्थान इतिहास का जनक कहा जाता है।
(d) उन्होंने अकबरनामा की रचना की।

17. निम्नलिखित का सुमेल कीजिए–

विद्वान	विशेषता
A. जेम्स टॉड	1. डिंगल का होरेस
B. एल.पी. टेस्सीटोरी	2. राजस्थान इतिहास का जनक
C. गौरीशंकर ओझा	3. आधुनिक इतिहास का भीष्म पितामह
D. विन्सेंट स्मिथ	4. राजपूत युग की संज्ञा

कूट:-
(a) A-2, B-1, C-3, D-4
(b) A-1, B-2, C-4, D-3
(c) A-3, B-4, C-1, D-2
(d) A-4, B-3, C-2, D-1

18. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. अड़सट्टा दस्तावेजों से कृषि उत्पादन एवं राजस्व व्यवस्था की जानकारी प्राप्त होती है।
2. खरीता वह दस्तावेज था जिसके माध्यम से प्रजा राजा को अपनी शिकायतें एवं निवेदन भेजती थी।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

19. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. दोवर्की कोटा राज्य का दस्तावेज है।
2. जमाबंदी आर्थिक स्थिति की जानकारी देती है।
3. मुल्की में राज्य की आय-व्यय का लेखा मिलता है।
4. तलकी में राजकीय पत्रों की प्रतिलिपियाँ मिलती हैं।
5. ये सभी कोटा राज्य के दस्तावेज हैं।
सही उत्तर है–
(a) केवल 1, 2, 3 (b) केवल 2, 3, 4
(c) 1, 2, 3, 4, 5 (d) केवल 1, 4, 5

20. निम्न में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
(a) राणा राजसिंह की बही – राजस्थान की प्राचीनतम बही
(b) हकीकत बही – राजा की दैनिक दिनचर्या
(c) निशान – बेगमों एवं शहजादों के पत्र
(d) रुक्का – भूमि अनुदान पत्र

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]
व्याख्या:-
◈ बड़ली अभिलेख राजस्थान का प्राचीनतम अभिलेख है। इसे गौरीशंकर हीराचंद ओझा ने प्राप्त किया था, न कि डी.आर. भंडारकर ने। शेष सभी कथन सही हैं।

2. [b]
व्याख्या:-
◈ घोसुण्डी अभिलेख वैष्णव/भागवत सम्प्रदाय से संबंधित है, शैव सम्प्रदाय से नहीं। शेष चारों कथन सही हैं।

3. [c]
व्याख्या:-
◈ बसन्तगढ़ अभिलेख सामंती व्यवस्था, राजस्थानीयादित्य अधिकारी तथा तत्कालीन प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी देता है। सभी कथन सही हैं।

4. [a]
व्याख्या:-
◈ कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति विजय स्तम्भ पर, रणकपुर प्रशस्ति में नाणक मुद्रा, आहड़ अभिलेख में रघुवंश तिलक तथा अजमेर अभिलेख राजस्थान का प्रथम फारसी अभिलेख है।

5. [a]
व्याख्या:-
◈ ताम्रपत्र बाद में स्थानीय भाषाओं में भी लिखे जाने लगे थे। इसलिए पाँचवाँ कथन गलत है जबकि शेष सभी सही हैं।

6. [b]
व्याख्या:-
◈ गधिया सिक्के ताँबे के सिक्के थे, स्वर्ण के नहीं। शेष सभी कथन सही हैं।

7. [d]
व्याख्या:-
◈ लक्ष्मणशाही बाँसवाड़ा की मुद्रा थी। धौलपुर की मुद्रा तमंचाशाही कहलाती थी।

8. [a]

व्याख्या:-

◈ शीतलेश्वर मंदिर का 689 ई. का तिथियुक्त अभिलेख इसे राजस्थान का प्राचीनतम तिथियुक्त मंदिर सिद्ध करता है।

9. [d]

व्याख्या:-

◈ नाथद्वारा चित्रशैली पिछवाई चित्रों के लिए प्रसिद्ध है, युद्ध दृश्यों के लिए नहीं।

10. [a]

व्याख्या:-

◈ बागोर-वीरेन्द्र नाथ मिश्र, कालीबंगा-बी.बी. लाल, नोह-रतनचन्द्र अग्रवाल तथा बैराठ-डी.आर. भंडारकर द्वारा उत्खनित किया गया।

11. [b]

व्याख्या:-

◈ जयानक पृथ्वीराज चौहान के दरबारी विद्वान थे तथा उन्होंने पृथ्वीराज विजय की रचना की।

12. [c]

व्याख्या:-

◈ मंडन के सभी उपर्युक्त योगदान राजस्थान की स्थापत्य परंपरा के महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

13. [c]

व्याख्या:-

◈ अकबरनामा अबुल फजल की रचना है। नैणसी ने नैणसी री ख्यात एवं मारवाड़ रा परगना री विगत की रचना की।

14. [d]

व्याख्या:-

◈ पृथ्वीराज राठौड़ डिंगल साहित्य के महान कवि थे तथा सभी कथन तथ्यात्मक रूप से सही हैं।

15. [c]

व्याख्या:-

◈ अमीर खुसरो ने मिफ्ता-उल-फुतूह एवं तारीख-ए-अलाई लिखी थी। अकबरनामा अबुल फजल की रचना है।

16. [d]

व्याख्या:-

◈ अकबरनामा अबुल फजल ने लिखा था। जेम्स टॉड ने Annals and Antiquities of Rajasthan की रचना की।

17. [a]

व्याख्या:-

◈ टॉड-राजस्थान इतिहास का जनक, टेस्सीटोरी-डिंगल का होरेस कहने वाले, ओझा-भीष्म पितामह उपाधि देने वाले तथा विन्सेंट स्मिथ-राजपूत युग शब्द के प्रवर्तक थे।

18. [a]

व्याख्या:–

◈ अड़सट्टा दस्तावेज कृषि, भूमि एवं राजस्व संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। जबकि खरीता राजा द्वारा अन्य राजा को भेजा जाने वाला पत्र था। प्रजा द्वारा राजा को भेजे जाने वाले पत्र को अर्जदाश्त कहा जाता था।

19. [c]

व्याख्या:-

◈ दोवर्की, जमाबंदी, मुल्की तथा तलकी सभी कोटा राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक दस्तावेज थे।

20. [d]

व्याख्या:-

◈ रुक्का राजाओं के निजी पत्र कहलाते थे, जबकि भूमि अनुदान सामान्यतः ताम्रपत्र या सनद के माध्यम से दिए जाते थे।

♦♦♦♦

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

दुर्ग

1. राजस्थान के दुर्गों की श्रेणियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: शुक्रनीति के अनुसार, वह दुर्ग जो विशाल जल राशि से घिरा हो उसे 'औदक दुर्ग' कहते हैं, जैसे गागरोण और भैंसरोड़गढ़।
कथन II: मरूस्थल में स्थित दुर्गों को 'धान्वन दुर्ग' कहा जाता है, जिसका प्रमुख उदाहरण जैसलमेर का सोनारगढ़ दुर्ग है।
कथन III: 'पारिख दुर्ग' वे होते हैं जिनके चारों ओर एक विशाल परकोटा (दीवार) बना होता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल II और III
(c) केवल I और III (d) I, II और III सभी

2. सूची-I (दुर्ग) को सूची-II (प्रवेश द्वार) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (दुर्ग)	सूची-II (प्रवेश द्वार)
(A) चित्तौड़गढ़ दुर्ग	(i) लोहा पोल
(B) रणथंभौर दुर्ग	(ii) सूरज पोल
(C) मेहरानगढ़ दुर्ग	(iii) पाडन पोल (राम पोल)
(D) आमेर दुर्ग	(iv) नौलखा दरवाजा

कूट (Codes):
(a) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(c) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)

3. जैसा कि राजस्थान के प्राचीन ग्रंथों में उल्लिखित है राजस्थान का वह किला जहाँ युद्ध की योजना और रणनीति बनाने में निपुण सैनिक रहते थे उसे कहा जाता था- (निम्न में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें:)
(a) सैन्य दुर्ग (b) पारिख दुर्ग
(c) पारिध दुर्ग (d) सहाय दुर्ग

4. गागरोण दुर्ग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: यह दुर्ग कालीसिंध और आहू नदी के संगम पर स्थित एक 'जल दुर्ग' (औदक दुर्ग) है, जिसका निर्माण 11वीं सदी में परमार शासकों द्वारा करवाया गया था।
कथन II: इस दुर्ग का प्राचीन नाम 'गर्गराटपुर' था और इसे डोडगढ़ या धुलरगढ़ के नाम से भी जाना जाता है।
कथन III: यहाँ सूफी संत 'मिट्ठे साहब' की दरगाह, औरंगजेब द्वारा निर्मित बुलंद दरवाजा और संत पीपा की छतरी स्थित है।
कथन IV: दुर्ग में स्थित विशाल परकोटे का निर्माण कोटा के शासक दुर्जनशाल द्वारा करवाया गया था, जिसे 'जालिमकोट' कहा जाता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल I, II और III (b) केवल II, III और IV
(c) केवल I और III (d) I, II, III और IV सभी

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: हनुमानगढ़ में स्थित भटनेर दुर्ग को 'उत्तरी सीमा का प्रहरी' कहा जाता है।
कथन II: इसके वास्तुकार कैकेया थे।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) कथन I और II दोनों सही हैं। (b) केवल कथन II सही है।
(c) केवल कथन I सही है। (d) कथन I और II दोनों गलत हैं।

6. निम्नलिखित को सही सुमेलित कीजिए-

	दुर्ग		पहाड़ी जिस पर स्थित है
A	बयाना दुर्ग	1.	दमदमा पहाड़ी
B	अजयमेरू दुर्ग	2.	स्वर्णगिरि पहाड़ी
C	जालोर दुर्ग	3.	नानी सीरड़ी पहाड़ी
D	सोजत दुर्ग	4.	बीठली पहाड़ी

कूट
(a) A-1 B-2 C-3 D-4 (b) A-1 B-4 C-2 D-3
(c) A-3 B-1 C-4 D-2 (d) A-2 B-1 C-3 D-4

7. किले-निर्माता सुमेलित कीजिए-

A. बयाना का किला	1. महाराजा सवाई जयसिंह
B. आमेर का किला	2. अजयराज चौहान
C. तारागढ़ का किला	3. राजा मानसिंह
D. नाहरगढ़ का किला	4. राजा विजय पाल

(a) A-4, B-2, C-3, D-1 (b) A-2, B-4, C-1, D-3
(c) A-4, B-3, C-2, D-1 (d) A-4, B-3, C-1, D-2

8. भटनेर दुर्ग के ऐतिहासिक महत्त्व के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: यह राजस्थान का सबसे प्राचीन दुर्ग है जिस पर सर्वाधिक विदेशी आक्रमण हुए हैं।
कथन II: 1398 ई. में तैमूर लंग के आक्रमण के समय यहाँ मुस्लिम महिलाओं द्वारा जौहर करने के प्रमाण मिलते हैं।
कथन III: तैमूर के आक्रमण के समय भटनेर का शासक शेर खाँ था, जिसकी कब्र इसी दुर्ग में स्थित है।
कथन IV: इस दुर्ग के एक प्रवेश द्वार पर एक राजा के साथ 6 नारियों की आकृतियाँ बनी हुई हैं।
उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल I, II और IV (b) केवल II, III और IV
(c) केवल I और III (d) I, II, III और IV सभी

9. भैसरोड़गढ़ दुर्ग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: यह दुर्ग चंबल और बामनी नदियों के संगम पर स्थित है, जिसे 'राजस्थान का वैल्लोर' भी कहा जाता है।
कथन II: इस दुर्ग का निर्माण मेवाड़ के महाराणा कुम्भा द्वारा करवाया गया था।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
(a) कथन I और II दोनों सत्य हैं। (b) केवल कथन I सत्य है।
(c) केवल कथन II सत्य है। (d) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

10. निम्नलिखित में से असुमेलित युग्मों को छाँटिए-

दुर्ग	परिवर्तित नाम
(a) चित्तौड़गढ़	खिज्राबाद
(b) गागरोन	मोमिनाबाद
(c) सिवाना	खैराबाद
(d) जालोर	जलालाबाद

11. अजमेर के तारागढ़ दुर्ग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कथन I: इस दुर्ग का निर्माण 1113 ई. में अजयराज ने बीठली पहाड़ी पर करवाया था, जिस कारण इसे 'गढ़ बीठली' भी कहते हैं।

कथन II: बिशप हैबर ने इस दुर्ग की विशालता को देखकर इसे 'राजस्थान का हृदय' कहा था।

कथन III: पृथ्वीराज सिसोदिया ने इसका जीर्णोद्धार करवाकर अपनी पत्नी के नाम पर इसका नाम 'तारागढ़' रखा।

कथन IV: लॉर्ड विलियम बैंटिक ने इस दुर्ग को देखकर "ओह! दूसरा जिब्राल्टर" के शब्द कहे थे।

कथन V: विजय पोल, लक्ष्मी पोल और भवानी पोल इस दुर्ग के प्रमुख प्रवेश द्वार हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I, II और III (b) केवल II, IV और V

(c) केवल I, III, IV और V (d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

12. 'घूंघट, गूगड़ी, बांदरा, इमली' क्या है?

(a) तारागढ़ अजमेर की प्राचीर की विशाल बुर्जों का नाम

(b) मारवाड़ की लोक परम्परा में जातियों के गोत्रों के नाम

(c) मेवाड़ आंचलिक में स्त्रियों के पहनावे के नाम

(d) राजस्थानी खानपान की विधियों के नाम

13. राजस्थान के दुर्गों और उनमें स्थित जलस्रोतों के युग्मों पर विचार कीजिए–

कथन I: तारागढ़ (अजमेर) में नाना साहब, इब्राहीम और गोल झालरा स्थित हैं, जबकि तारागढ़ (बूँदी) में जैतसागर और नवल सागर स्थित हैं।

कथन II: जालौर दुर्ग में 'भांडेलाव तालाब' स्थित है, जिसे पानी का मुख्य स्रोत माना जाता है।

कथन III: नागौर दुर्ग में स्थित 'शुक्र तालाब' का निर्माण मुगल सम्राट अकबर द्वारा करवाया गया था।

कथन IV: कुंभलगढ़ दुर्ग में झालीबाव बावड़ी और मामादेव कुण्ड स्थित हैं, जबकि अचलगढ़ में मंदाकिनी कुण्ड स्थित है।

कथन V: करौली के तिमनगढ़ दुर्ग में 'ननद-भौजाई कुंआ' और दौसा के किले में 'राजाजी का कुंआ' प्रसिद्ध है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I, II, III और IV (b) केवल I, III, IV और V

(c) केवल II, IV और V (d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

14. निम्नलिखित में से असुमेलित युग्म है-

दुर्ग	स्थान
(a) तोहन दुर्ग	कांकरोली
(b) टांई दुर्ग	झुंझुनूँ
(c) केहरीगढ़ दुर्ग	अजमेर
(d) पचेवर दुर्ग	धौलपुर

15. किस दुर्ग का सबसे ऊँचा भाग 'मीरान साहब की दरगाह' कहलाता है?

(a) रणथम्भौर (b) तारागढ़ (अजमेर)

(c) तारागढ़ (बूँदी) (d) जूनागढ़

16. अजमेर स्थित 'अकबर के किले' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कथन I: इस दुर्ग का निर्माण अकबर द्वारा 1571-72 ई. में करवाया गया था, जिसे 'मैगजीन दुर्ग' या 'अकबर का दौलतखाना' भी कहा जाता है।

कथन II: इस ऐतिहासिक दुर्ग की नींव प्रसिद्ध संत दादूदयाल जी द्वारा रखी गई थी।

कथन III: महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हुए 'हल्दीघाटी युद्ध' की अंतिम योजना इसी दुर्ग में बनाई गई थी।

कथन IV: इस दुर्ग के मुख्य प्रवेश द्वार को 'विजय पोल' के नाम से जाना जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और III

(b) केवल I, II और III

(c) केवल II, III और IV

(d) I, II, III और IV सभी

17. बूँदी के 'तारागढ़ दुर्ग' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कथन I: इस दुर्ग का निर्माण 1354 ई. में राव बरसिंह द्वारा करवाया गया था और इसे 'तिलस्मी किला' भी कहा जाता है।

कथन II: अरावली की ऊँची पहाड़ियों पर स्थित होने के कारण आकाश के तारे के समान दिखाई देने से इसका नाम 'तारागढ़' पड़ा।

कथन III: प्रसिद्ध 'गर्भ गुंजन' तोप इसी दुर्ग में स्थित है और यहाँ के राजमहलों को कर्नल जेम्स टॉड ने राजस्थान के सर्वश्रेष्ठ राजप्रासाद बताया है।

कथन IV: छत्र-महल, अनिरुद्ध महल और बादल-महल इस दुर्ग के प्रमुख महल हैं।

कथन V: मारवाड़ के शासक राव जोधा ने इस दुर्ग को न जीत पाने पर मिट्टी का नकली दुर्ग बनाकर अपनी प्रतिज्ञा पूरी की थी।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I, II, III और IV

(b) केवल I, III, IV और V

(c) केवल II, IV और V

(d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

18. बीकानेर के 'जूनागढ़ दुर्ग' के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कथन I: यह दुर्ग 'धान्वन' श्रेणी का है, जिसे 'जमीन का जेवर' और 'रातीघाटी का किला' भी कहा जाता है।

कथन II: इस दुर्ग के महलों के बारे में कहा जाता है कि "दीवारों के भी कान होते हैं, पर यहाँ की दीवारें तो बोलती हैं।"

कथन III: इस दुर्ग में अनूप महल, कर्ण महल और लालगढ़ महल स्थित हैं, तथा यहाँ राजस्थान की पहली लिफ्ट लगाई गई थी।

कथन IV: यहाँ '33 करोड़ देवी-देवताओं का मंदिर' स्थित है, जहाँ भगवान गणेश 'मूषक' (चूहे) पर सवार हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I, II और IV

(b) केवल II, III और IV

(c) केवल I, II और III

(d) I, II, III और IV सभी

19. सिवाणा दुर्ग के ऐतिहासिक संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: इस दुर्ग का निर्माण 10वीं शताब्दी में हल्देश्वर पहाड़ी पर परमार शासक वीर नारायण पंवार द्वारा करवाया गया था।
कथन II: इस दुर्ग को 'कुम्थाना' के नाम से भी जाना जाता है और यह मारवाड़ के शासकों की 'संकटकालीन शरणस्थली' रहा है।
कथन III: 1308 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने इस दुर्ग को जीतकर इसका नाम 'खैराबाद' रखा था।
कथन IV: राव मालदेव ने गिरि सुमेल युद्ध के पश्चात शेरशाह सूरी की सेना से बचने के लिए इसी दुर्ग में आश्रय लिया था।
कथन V: प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जयनारायण व्यास को इसी दुर्ग में नजरबंद (बंदी) रखा गया था।
उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल I, II, III और IV (b) केवल II, III, IV और V
(c) केवल I, III और V (d) उपरोक्त सभी कथन सही है

20. रणथंभौर दुर्ग (सवाई माधोपुर) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: इस दुर्ग का प्रारंभिक नाम 'रणस्तंभपुर' था और इसके मुख्य प्रवेश द्वार को 'नौलखा दरवाजा' कहा जाता है।
कथन II: अबुल फजल ने इस दुर्ग की नैसर्गिक सुरक्षा को देखकर कहा था कि— "अन्य सब दुर्ग नंगे हैं, जबकि यह दुर्ग बख्तरबंद है।"
कथन III: यहाँ जोगी महल, सुपारी महल और जौंरा-भौंरा (अनाज भंडार) स्थित हैं।
कथन IV: दुर्ग में 'त्रिनेत्र गणेश मंदिर' और अलाउद्दीन खिलजी द्वारा निर्मित 'पीर सदरूद्दीन की दरगाह' स्थित है।
कथन V: यहाँ हम्मीर देव चौहान की '32 खंभों की छतरी' स्थित है, जिसे 'न्याय की छतरी' भी कहा जाता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल I, II, III और IV (b) केवल I, III, IV और V
(c) केवल II, IV और V (d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

21. कुंभलगढ़ दुर्ग (राजसमंद) के ऐतिहासिक और स्थापत्य विवरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: इस दुर्ग का निर्माण महाराणा कुंभा ने 15वीं शताब्दी में प्रसिद्ध शिल्पी मंडन की देखरेख में मौर्य शासक संप्रति के दुर्ग के अवशेषों पर करवाया था।
कथन II: यह दुर्ग अरावली की 13 ऊँची चोटियों से घिरा है और इसकी सुरक्षा दीवार की लंबाई लगभग 36 किमी है।
कथन III: कर्नल जेम्स टॉड ने इस दुर्ग की तुलना इसके सुदृढ़ परकोटे और बुर्जों के कारण 'एस्ट्रूस्कन' (Etruscan) से की है।
कथन IV: इस दुर्ग को 'मेवाड़ की आँख' और 'मेवाड़ की संकटकालीन राजधानी' जैसे उपनामों से भी जाना जाता है।
कथन V: हनुमान पोल, विजय पोल और गणेश पोल इस दुर्ग के प्रमुख प्रवेश द्वारों में शामिल हैं।
उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल I, II और IV
(b) केवल II, III और V
(c) केवल I, III, IV और V
(d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

22. अबुल फजल ने किस दुर्ग के बारे लिखा कि यह इतनी ऊँचाई पर स्थित है कि नीचे से ऊपर की ओर देखने पर सिर से पगड़ी नीचे गिर जाती है-
(a) चित्तौड़गढ़ (b) कुंभलगढ़
(c) मेहरानगढ़ (d) रणथंभौर

23. जैसलमेर के 'सोनारगढ़ दुर्ग' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: इस दुर्ग की नींव 1155 ई. में जैसल भाटी ने रखी थी और इसका निर्माण कार्य शालिवाहन द्वितीय ने पूर्ण करवाया।
कथन II: यह 'धान्वन' श्रेणी का दुर्ग है, जो त्रिकूट (गोरहरा) पहाड़ी पर त्रिभुजाकार आकृति में बना हुआ है।
कथन III: इस दुर्ग के निर्माण में चूने का प्रयोग नहीं किया गया है, बल्कि पीले पत्थरों को जोड़कर इसे बनाया गया है।
कथन IV: यह राजस्थान का सर्वाधिक बुर्जों वाला किला है, जिसमें कुल 101 विशाल बुर्ज बने हुए हैं।
कथन V: दुर्ग के भीतर 'जैसलु कुआँ' और जैसलमेर शासकों के आराध्य देव 'लक्ष्मीनारायण जी' का मंदिर स्थित है।
उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल I, II, III और IV (b) केवल I, II, III और V
(c) केवल II, IV और V (d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

24. मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: इस दुर्ग का निर्माण मई 1459 ई. में राव जोधा द्वारा चिड़ियाटूक पहाड़ी पर करवाया गया था।
कथन II: इसकी आकृति मयूर के समान होने के कारण इसे 'मयूरध्वजगढ़' और 'गढ़ चिंतामणि' भी कहा जाता है।
कथन III: प्रसिद्ध लेखक रूडयार्ड किपलिंग ने इस दुर्ग के बारे में कहा है कि इसका निर्माण "देवताओं, परियों एवं फरिश्तों द्वारा" किया गया है।
कथन IV: दुर्ग में स्थित 'चोखेलाव महल' अपने अद्भुत स्थापत्य और भित्ति चित्रों (Wall Paintings) के लिए प्रसिद्ध है।
उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल I, II और III (b) केवल II, III और IV
(c) केवल I और IV (d) I, II, III और IV सभी

25. निम्नांकित में से कौनसा किला 'कुंवारा किला' के नाम से भी जाना जाता है?
(a) बाला किला (b) बदनोर किला
(c) भटनेर किला (e) गागरोन किला

26. अचलगढ़ दुर्ग (सिरोही) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन I: इस दुर्ग का मूल निर्माण परमार शासकों द्वारा करवाया गया था, जिसका पुनर्निर्माण 1452 ई. में महाराणा कुंभा ने करवाया।
कथन II: यह दुर्ग आबू पर्वत (अर्बूदाचल) पर स्थित एक 'गिरि दुर्ग' है, जहाँ मंदाकिनी कुण्ड और सावन-भादो झील स्थित हैं।
कथन III: इस दुर्ग में प्रतिहार शासकों द्वारा निर्मित 'विजय स्तंभ' स्थित है, जो खतरे की सूचना देने के लिए बनाया गया था।
उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल II और III
(c) केवल I और III (d) I, II और III सभी

♦ ♦ ♦ ♦

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]

व्याख्या:-

- कौटिल्य ने दुर्गों की चार **(औदक, पार्वत, धान्वन तथा वन दुर्ग)** जबकि शुक्रनीति में दुर्गों की निम्नलिखित **नौ श्रेणियां** बताई गई हैं।

1. **औदक/जल दुर्ग**- वह दुर्ग जो विशाल जल राशि से गिरे हो।
   जैसे- गागरोण दुर्ग (झालावाड़), भैसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़) तथा शेरगढ़ (बाराँ)।
2. **धान्वन दुर्ग**- मरूस्थल या मरूभूमि में स्थित दुर्ग।
   जैसे- सोनारगढ़ (जैसलमेर), जूनागढ़ (बीकानेर), भटनेर दुर्ग (हनुमानगढ़) तथा नागौर दुर्ग
3. **पारिख दुर्ग**- वह दुर्ग जिसके चारों तरफ गहरी खाई हो।
   जैसे- लोहागढ़ (भरतपुर), जूनागढ़ (बीकानेर)
4. **पारिध दुर्ग**- वह दुर्ग जिसके चारों तरफ विशाल परकोटा बना हो।
   जैसे- चित्तौड़गढ़, सोनारगढ़ तथा जालौर दुर्ग।
5. **वन दुर्ग**- सघन बीहड़ (कांटेदार झाड़ियों) में निर्मित दुर्ग।
   जैसे- सिवाणा (बालोतरा), रणथंभौर (सवाई माधोपुर)

2. [a]

व्याख्या:-

सही सुमेलन इस प्रकार हैं –

- चित्तौड़गढ़ दुर्ग का प्रथम प्रवेश द्वार – पाडन पोल (बाघ सिंह रावत का स्मारक)
- नौलखा दरवाजा रणथंभौर दुर्ग का मुख्य प्रवेश द्वार है।
- **मामा-भान्जा छतरी** (**धन्ना और भींवा**) - यह छतरी मेहरानगढ़ दुर्ग में लौहा पोल द्वार के पास है। यह **10** खम्भों की छतरी है।
- जयपुर के आमेर किले का मुख्य प्रवेश द्वार सूरज पोल के नाम से जाना जाता है।

3. [a]

व्याख्या:-

- व्यूह रचना में दक्ष वीरों के द्वारा रक्षित दुर्ग जो अभेद्य हो, **सैन्य दुर्ग** कहलाता है।
- **शुक्रनीति** में वर्णित दुर्गों की सभी **नौ श्रेणियों** में से **सैन्य दुर्ग** को सर्वश्रेष्ठ दुर्ग माना गया है।

4. [a]

व्याख्या:-

गागरोण दुर्ग

- दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के सबसे प्राचीन व विकट दुर्ग में गागरोण दुर्ग भी **एक जल दुर्ग या औदक दुर्ग** है, जो **कालीसिंध और आहु नदी** के संगम पर है, जो परमार शासकों द्वारा निर्मित। **(11**वीं सदी में**)**।
- **उपनाम -** डोड़गढ, धुलरगढ़, शाहगढ़, गीधकगढ़।
- गागरोण का प्राचीन नाम **गर्गराटपुर** था।
- इसका नामकरण गागरोण देवीसिंह खींची ने किया।

प्रमुख दर्शनीय स्थल-

- यहाँ गागरोनी तोते/हीरामन तोता पाया जाता है।
- इस दुर्ग में खुरासान से गागरोण आये सूफी संत '**मिट्ठे साहब की दरगाह**' तथा औरंगजेब द्वारा निर्मित **बुलन्द दरवाजा** भी स्थित है।
- इस दुर्ग में **संत पीपा की छतरी** है।
- इस दुर्ग में भगवान मधुसूदन का मंदिर (दुर्जनशाल द्वारा निर्मित) तथा कोटा रियासत के सिक्के ढालने की टकसाल है।
- **जालिमकोट -** गागरोण दुर्ग में कोटा के **झाला जालिमसिंह** द्वारा निर्मित विशाल परकोटा।
- **रामबुर्ज एवं ध्वज बुर्ज** इसकी विशाल बुर्जे हैं।

5. [a]

व्याख्या:-

- **भटनेर (Bhattner)-** भटनेर किला राजस्थान के **हनुमानगढ़ जिले** में स्थित है।
- इस दुर्ग का अन्य नाम **'उत्तरी सीमा का प्रहरी'** है। इसके **वास्तुकार** - कैकेया है।
- यह **धान्वन श्रेणी** का दुर्ग है।

6. [b]

व्याख्या:-

- सही सुमेलित सूची इस प्रकार है-
- बयाना दुर्ग — दमदमा पहाड़ी
- अजयमेरू दुर्ग — बीठली पहाड़ी
- जालौर दुर्ग — स्वर्णगिरि पहाड़ी
- सोजत दुर्ग — नानी सीरड़ी पहाड़ी

7. [c]

व्याख्या:-

बयाना का किला (भरतपुर)–

- यादव राजवंश के **महाराजा विजयपाल** ने अपनी राजधानी मथुरा को असुरक्षित जानकर यह दुर्ग माही (दमदमा) पहाडी पर बनवाया।
- **उपनाम – शोणितपुर**, बाणासुर, बादशाह दुर्ग, विजयमंदिर गढ आदि।

आमेर का किला

- **निर्माण व पुनर्निर्माण-** कोकिलदेव ने **1036 ई.** में यह दुर्ग आमेर के मीणा शासक भुट्टो से छीन लिया। राजा मानसिंह प्रथम ने दुर्ग का पुनर्निर्माण करवाया।
- **उपनाम –** हाथियों का किला, अम्बेवती दुर्ग, अम्बरीश दुर्ग, अम्बेपुर दुर्ग, अम्बिकापुर।
- **श्रेणी-** आमेर दुर्ग गिरि श्रेणी का है, जो काली खोह पहाड़ी पर स्थित है।
- आमेर के महल **राजपूत व मुग़ल शैली** में निर्मित है।

तारागढ़ का किला (अजमेर)

- **निर्माण-** अजमेर जिले के इस दुर्ग का निर्माण 1113 ई. में अजयराज ने (**सातवीं शताब्दी** में **चौहान शासक अजयपाल ने, हरविलास शारदा के अनुसार**) ने तारागढ़ पर्वत की बीठली पहाड़ी पर करवाया।

नाहरगढ़ का किला

- **निर्माण –** 1734 ई. में सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा।
- **उपनाम –** जयपुर मुकुट, सुदर्शनगढ़, जनाना क्वार्टर, **महलों का दुर्ग, जयपुर ध्वजगढ** आदि।
- **श्रेणी-** गिरि श्रेणी का है, जो मीठड़ी पहाड़ी पर स्थित है।
- नाहरगढ़ दुर्ग का निर्माण **मराठा आक्रांताओ से बचने** हेतु किया गया। **नामकरण -** नाहरसिंह भोमिया के नाम पर।

8. [a]

व्याख्या:-

- भटनेर दुर्ग राजस्थान का **सबसे प्राचीन दुर्ग** है।
- भटनेर दुर्ग पर **सबसे अधिक विदेशी आक्रमण** हुए।
- 1003 ई. में **महमूद गजनवी** का प्रथम विदेशी आक्रमण हुआ तथा अंतिम विदेशी आक्रमण 1532-34 ई. का **कामरान** का हुआ।
- यह दुर्ग राजस्थान का एकमात्र ऐसा दुर्ग है जहाँ पर **मुस्लिम महिलाओं ने जौहर** किया। यह जौहर 1398 ई. में हुआ था। उस समय भटनेर का शासक **दूलचंद** था और आक्रमण **तैमूर लंग** का हुआ।

- इस जौहर का प्रमाण तैमूर लंग की आत्मकथा **'तुजुक ए तैमुरी'** में मिलता है।
- इस दुर्ग में बलबन के किलेदार '**शेर खाँ की कब्र**' है।
- भटनेर दुर्ग में एक प्रवेशद्वार पर एक राजा के साथ **6** नारियों की आकृतियाँ बनी हैं।

9. [b]

व्याख्या:-

भैसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़)

- स्थिति- चंबल व बामनी नदियों के संगम पर
- श्रेणी- जल/औदक दुर्ग
- निर्माण- भैसा शाह व रोड़ा चारण/बनजारा
- उपनाम- **राजस्थान का वैल्लोर**
- **कर्नल जैम्स टॉड का कथन –** "अगर मुझे राजपूताना में कोई जागीर पेश की जाए तो मैं भैंसरोड़गढ़ को ही चुनेंगे।"

10. [b]

व्याख्या:-

- मुस्तफाबाद: गागरोन दुर्ग को **1444** ई. में मांडू के सुल्तान महमूद खिलजी प्रथम ने जीता और इसका नाम बदलकर 'मुस्तफाबाद' रखा था। (नोट: मोमिनाबाद आमेर/जयपुर का परिवर्तित नाम था, जिसे मुगल सम्राट बहादुर शाह प्रथम ने रखा था)।

11. [c]

व्याख्या:-

तारागढ़ का किला

- **यह** गिरि **का श्रेष्ठ उदाहरण है।**
- **इसके उपनाम – राजपुताना की कुंजी, अरावली का अरमान, राजस्थान का हृदय, गढ़ बीठली, राजस्थान का जिब्राल्टर।**
- इस दुर्ग का प्रारम्भिक नाम **अजयमेरु दुर्ग** था।
- **निर्माण-** अजमेर जिले के इस दुर्ग का निर्माण 1113 ई. में अजयराज ने बीठली पहाड़ी पर करवाया।
- इसका प्रथम बार **जीर्णोद्धार उड़ना राजकुमार पृथ्वीराज सिसोदिया** ने करवाकर अपनी वीरांगना पत्नी तारा के नाम पर इसका नाम **तारागढ़** रखा।
- **बिशप हैबर** ने तारागढ़ दुर्ग को '**पूर्व का जिब्राल्टर**' की संज्ञा दी।
- **लॉर्ड विलियम बैंटिक** ने इसे देखकर कहा ◈ ओह! दूसरा जिब्राल्टर
- **प्रवेश द्वार -** विजय पोल, लक्ष्मी पोल, फूटा दरवाजा, भवानी पोल, हाथी पोल, अरकोट दरवाजा।

12. [a]

व्याख्या:-

- तारागढ़ की प्राचीर में 14 विशाल बुर्जे है, जिनमे घूंघट बुर्ज, गूगड़ी बुर्ज, फूटी बुर्ज, बांदरा बुर्ज, इमली बुर्ज, खिड़की बुर्ज तथा फतेह बुर्ज प्रमुख हैं।
- तारागढ़ की पहाड़ी के ठीक नीचे एक प्राचीन गुफा **शीशाखान** है जो गर्मियों में बिल्कुल ठंडी व शीत ऋतु में गर्म रहती है।
- इस दुर्ग में बड़े जलाशय **नाना साहब का झालरा, गोल झालरा, इब्राहीम झालरा, बड़ा झालरा** आदि स्थित है।

13. [b]

व्याख्या:-

राजस्थान के प्रमुख दुर्गों में स्थित जलस्रोत/जलाशय/तड़ाग-

- **तारागढ़ (अजमेर)- नाना साहब का झालरा, इब्राहीम का झालरा**, गोल झालरा तथा बड़ा झालरा
- **बाला किला (अलवर)-** सूरज कुण्ड व सलीम सागर
- **नागौर दुर्ग-** शुक्र तालाब-अकबर ने बनवाया।
- **रणथंभौर दुर्ग (सवाई माधोपुर)-** रनिहाड़ व मलिक व पद्मला तालाब
- **मेहरानगढ़ (जोधपुर)-** राणीसर व पद्मसर तालाब
- **सोनारगढ़ (जैसलमेर)-** जैसलू कुंआ
- **कुंभलगढ़ दुर्ग (राजसंमद)-** झालीबाव बावड़ी व मामादेव कुण्ड
- **तिमनगढ़/त्रिभुवनगढ़ (करौली)-** ननंद – भौजाई कुंआ
- **दौसा का किला-** राजाजी का कुंआ
- **चित्तौड़गढ़-** चित्रांग मोरी व पद्मिनी तालाब
- **आमेर दुर्ग (जयपुर)-** मावठा जलाशय
- **सिवाणा दुर्ग (बालोतरा)-** भांडेलाव तालाब
- **अचलगढ़ (सिरोही)-** मंदाकिनी कुण्ड व सावन- भादो झील
- **तारागढ़ (बूँदी)-** जैतसागर, नवल सागर व फूल सागर
- **जयगढ़ दुर्ग (जयपुर)-** पानी के विशाल टांकों के लिए प्रसिद्ध

14. [d]

व्याख्या:-

पचेवर दुर्ग – यह धौलपुर में नहीं, बल्कि टोंक जिले (मालपुरा तहसील) में स्थित है। धौलपुर में मुख्य रूप से शेरगढ़ दुर्ग स्थित है।

15. [b]

व्याख्या:-

तारागढ़, अजमेर

- तारागढ़ दुर्ग का सबसे ऊंचा भाग '**मीरान साहब की दरगाह**' कहलाता है।
- यह दरगाह तारागढ़ के **प्रथम गवर्नर मीर हुसैन खिंगसवार** की है।

16. [b]

व्याख्या:-

- **राजस्थान में अकबर का किला** अजमेर में **स्थित है।**
- **निर्माण-** अकबर ने 1571-72 ई. में अजमेर नगर के मध्य अकबर के किला का निर्माण करवाया, जिसे मैगजीन दुर्ग भी कहते हैं।
- मैग्जीन दुर्ग के प्रवेश द्वार को **जहाँगीरी पोल** के नाम से जानते हैं।
- **अन्य नाम**- अकबर का दौलतखाना, मुगल किला, मैग्जीन दुर्ग, शास्त्रागार दुर्ग।
- इस दुर्ग की **नींव संत दादूदयाल** ने रखी।
- 1576 ई. में हल्दी घाटी युद्ध की योजना इस दुर्ग में बनी थी।

17. [a]

व्याख्या:-

बूँदी का तारागढ़ दुर्ग

- **उपनाम :- तिलस्मी का किला।**
- **निर्माण -** राव बरसिंह द्वारा **1354** ई. में।
- **श्रेणी-** गिरि दुर्ग।
- **नामकरण-** धरती से आकाश के तारे के समान दिखलाई पड़ने के कारण तारागढ़।
- **प्रवेश द्वार -** हाथी पोल, गणेश पोल, हजारी पोल, पाटन पोल, भैरव पोल एवं शकल बारी दरवाजा।
- '**गर्भ गुंजन**' तोप इसी दुर्ग में रखी हुई है।
- **कर्नल जेम्स टॉड** ने बूँदी के राजमहलों को राजस्थान के सभी राजप्रासादों में सर्वश्रेष्ठ बताया है।
- "ये महल मानव नहीं, प्रेतों द्वारा बनाए गए लगते हैं।" ये कथन रुडयार्ड किपलिंग द्वारा **बूँदी दुर्ग** के महल के बारे में कहा गया है।
- **प्रमुख महल -** छत्र-महल, अनिरुद्ध महल, रतन-महल, बादल-महल, फूल महल।
- मेवाड़ महाराणा राणा लाखा ने इस दुर्ग को जीतने की प्रतिज्ञा पूर्ण न करने पर मिट्टी का नकली दुर्ग बनाकर उसे ध्वस्त करके अपनी कसम पूरी की।

18. [c]

व्याख्या:-

जूनागढ़

- जूनागढ़ का दुर्ग '**धान्वन दुर्ग**' की श्रेणी में आता है। **यह किला मरुस्थलीय किले की श्रेणी में आता है।**
- जूनागढ़ दुर्ग के सम्बन्ध में **दीनानाथ दुबे** की उक्ति **–** 'दीवारों के भी कान होते है पर जूनागढ़ के महलों की दीवारें तो बोलती हैं।'
- राजस्थान में पहली बार लिफ्ट इसी दुर्ग में लगाई थी।

उपनाम-

(1) जमीन का जेवर
(2) चिंतामणि
(3) रातीघाटी का किला।

दुर्ग के दर्शनीय स्थल :-

- अनूपमहल – अनूपसिंह
- फूल महल – अभयसिंह
- कर्णमहल – अनूपसिंह
- चन्द्र महल
- लाल निवास व लालगढ – गंगा सिंह
- छत्र महल
- गंगा निवास महल
- दलेल निवास महल
- रतन निवास महल
- सरदार निवास।
- 33 **करोड़ देवी-देवताओं का मंदिर -** यहाँ सिंह पर सवार गणपति **(**हेरंब गणपति**)** की दुर्लभ प्रतिमा है।

19. [d]

व्याख्या:-

सिवाणा दुर्ग –

- **निर्माण -** परमार शासक वीर नारायण पंवार द्वारा **954** ई**.** में **(10**वीं सदी**)** में **हल्देश्वर पहाड़ी पर**।
- **श्रेणी-** गिरि दुर्ग**,** सहाय दुर्ग**,** कुमट दुर्ग।
- **प्रारम्भिक नाम -** कुम्थाना।

दुर्ग में 2 साके हुए –

1. **प्रथम साका - 1308** ई**.** में अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय, इस समय दुर्ग का रक्षक **सातलदेव सोनगरा** था। अलाउद्दीन खिलजी ने सिवाणा दुर्ग का नाम **खैराबाद** रखा था।
2. **द्वितीय साका -** अकबर ने मोटा राजा उदयसिंह के नेतृत्व में सिवाणा शासक **वीर कल्ला रायमलोत** पर आक्रमण किया। वीर कल्ला वीर गति को प्राप्त हुए तथा हाड़ी रानी ने सभी स्त्रियों के साथ जौहर किया।

- गिरि सुमेल युद्ध **(1544 ई.)** के बाद राव मालदेव ने शेरशाह की सेना द्वारा पीछा किये जाने पर सिवाणा दुर्ग में आश्रय लिया था।
- यह दुर्ग मारवाड़ के शासकों की संकटकाल में शरणस्थली के रूप में प्रसिद्ध है।
- '**शेर-ए-राजस्थान**' नाम से विख्यात जयनारायण व्यास को इसी दुर्ग में **नजरबंद** रखा गया।

20. [d]

व्याख्या:-

रणथंभौर दुर्ग (सवाई माधोपुर)

- निर्माण- इसके निर्माण को लेकर विद्वानों के अनेक मत है–
- महेश्वर के राजा रंतिदेव द्वारा।
- सपादलक्ष के चौहान राजा रणथान देव द्वारा।
- राव जैता द्वारा 8वीं शताब्दी में।
- सर्वाधिक मान्य मत – अजमेर के चौहान शासक राजा जयंत द्वारा 8वीं शताब्दी में।
- प्रारंभिक नाम- **रणस्तंभपुर**
- प्रवेश द्वार- नौलखा दरवाजा, अंधेरी दरवाजा / त्रिपोलिया दरवाजा
- प्रमुख महल- जोगी महल, सुपारी महल तथा हम्मीर महल, पुष्पक महल, जौरा भौरा महल
- धार्मिक स्थल- त्रिनेत्र गणेश मंदिर तथा पीर सदरूद्दीन की दरगाह - (अलाउद्दीन खिलजी)
- तालाब/जलस्रोत- रनिहाड़ व पद्मला तालाब, मलिक तालाब
- अन्य प्रसिद्ध स्थल- जौरा-भौरा (अनाज भण्डार) व **32 खंभों की छतरी, न्याय की छतरी, जयसिंह की छतरी**
- दुर्ग का पतन/साका- 11 जुलाई, 1301 ई.
- प्रसिद्ध शासक- हम्मीर देव चौहान (हठी हम्मीर)
- हम्मीर से संबंधित उक्ति- **"तिरिया, तेल, हम्मीर हठ, चढ़े ना दूजी बार"।**
- नाथावतों के इतिहास के अनुसार यह दुर्ग **शिव- पिण्ड** पर रखे बीलपत्र की तरह दिखाई देता है।
- रणथंभौर दुर्ग की सुदृढ़ नैसर्गिक सुरक्षा- व्यवस्था से प्रभावित होकर अबुल फजल ने लिखा है कि- अन्य सब दुर्ग नग्न (नंगे) हैं, जबकि यह दुर्ग बख्तरबंद हैं।

21. [d]

व्याख्या:-

कुम्भलगढ़ दुर्ग-

- **निर्माण-** इस दुर्ग का निर्माण **महाराणा कुम्भा** ने **1448-1458** ई**.** में मौर्य शासक **सम्प्रति** द्वारा निर्मित एक प्राचीन दुर्ग के ध्वंसावशेषों पर **शिल्पी मंडन** की देखरेख में करवाया था।
- मेवाड़ **–** मारवाड़ सीमा पर राजसमन्द जिले में स्थित **गिरि दुर्ग।**
- यह दुर्ग अरावली पर्वत की **13** ऊँची चोटियों से घिरा दुर्ग है, जो **36** किमी**.** लम्बे परकोटे से सुरक्षित है।
- इस दुर्ग की सुरक्षा दीवार इतनी चौड़ी है कि एक साथ **चार/आठ घुड़सवार** (RBSE के अनुसार) चल सकते हैं।
- **उपनाम -** मेवाड़ की आँख**,** मेवाड़ की संकटकालीन राजधानी**,** मत्स्येन्द्र**,** एस्ट्रूस्कन **(कर्नल टॉड),** कुंभलमेरु**,** कमलमीर**, अजेय दुर्ग** आदि।
- **प्रवेश द्वार -** ओरठ पोल**,** हल्ला पोल**,** हनुमान पोल**,** विजय पोल**,** भैरव पोल**,** चौगान पोल**,** पागड़ा पोल और गणेश पोल। **(9 द्वार)**
- नवीनीकरण- महाराणा फतेह सिंह द्वारा (19वीं शताब्दी में)।
- इतिहासकार हरविलास शारदा ने इसे कुंभा की "सैनिक मेधा" का प्रतीक कहा है।

22. [b]

व्याख्या:-

- कुंभलगढ़ दुर्ग की ऊँचाई के बारे में **अबुल फजल** ने लिखा है कि "यह इतनी बुलन्दी पर बना हुआ है कि नीचे से ऊपर की ओर देखने पर सिर से पगड़ी गिर जाती है।"

23. [b]

व्याख्या:-

- जैसलमेर के सोनारगढ़ के नाम से प्रसिद्ध दुर्ग की नींव **जैसल भाटी** ने 1155 ई. में रखी।
- इस दुर्ग का निर्माण शालिवाहन द्वितीय ने पूर्ण करवाया।
- स्थिति- त्रिकूट पहाड़ी (गोरहरा पहाड़ी)
- आकृति- त्रिकूटाकृति (त्रिभुजाकार)
- निर्माण- पीले पत्थरों से (चूने का प्रयोग नहीं)
- श्रेणी- धान्वन दुर्ग
- प्रथम प्रवेश द्वार- अक्षयपोल या अखेपोल

प्रमुख दर्शनीय स्थल-
- **99 बुर्ज-** यह दुर्ग **सर्वाधिक बुर्जों वाला (99 बुर्जे)** किला है।
- **लक्ष्मीनारायण जी का मन्दिर-** इस दुर्ग का प्रमुख मंदिर **लक्ष्मीनारायण जी का मन्दिर** है, जिसमें जैसलमेर शासकों के आराध्य देव की मूर्ति मेड़ता से लाई गई।
- इस दुर्ग का प्राचीन मंदिर **आदिनाथ जी (जैन मंदिर)** का है।
- जैसलु कुआँ
- कमरकोट (घाघरानुमा परकोटा-दोहरा परकोटा)

दुर्ग के प्रमुख महल –
- इस दुर्ग में बादल महल, रंगमहल, मोतीमहल, गज विलास, सर्वोत्तम विलास, कुँवरपदा, बेरीशाल की बुर्ज तथा जवाहर विलास महल स्थित है।

24. [d]

व्याख्या:-

मेहरानगढ़ (जोधपुर)
- निर्माण ◈ राव जोधा द्वारा (मई 1459 ई.)
- स्थिति- चिड़ियाटूक पहाड़ी पर
- आकृति- मयूराकृति

अन्य नाम-

1. मयूरध्वज गढ़ **2. गढ़ चिंतामणि**
3. कागमुखी दुर्ग **4. चिड़िया टूक**
5. जबरागढ़/जोधाना

- **प्रमुख महल-** चोखेलाव महल (भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध) बीजोलाई महल, फूल महल, मोती महल, बिचना महल, तलहटी महल व सिणगार चौकी, तुलाती महल
- **रूडयार्ड किपलिंग** के अनुसार इस दुर्ग का निर्माण देवताओं, परियों एवं फरिश्तों द्वारा किया गया।

मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर) की प्रमुख तोपों के नाम-
- गुब्बारा, नुसरत, नागपली, गजक, गजनी खां, भवानी, किलकिला, शंभूबाण, बिच्छूबाण, जमजमा, मीरबख्श, कड़क बिजली, धूड़धाणी बगसवाहन तथा रहस्य कला।
- शंभूबाण तोप अजीत सिंह गुजरात के सरबुलन्द खां से छीनकर लाए थे, जबकि गजनी खां तोप महाराजा गज सिंह जालौर से लेकर आए थे।

25. [a]

व्याख्या:-

बाला किला-
- **निर्माण :-** 1049 ई. में अलघूराय द्वारा।
- इस दुर्ग के नीचे एक नगर 'अलपुर' बसाया गया।
- सलीमशाह (शेरशाह का उत्तराधिकारी) के काल में यहाँ सलीम सागर जलाशय बनाया गया।
- **उपनाम :-** आँख वाला किला, बावनगढ़ का लाड़ला, **'कुंवारा किला'**।
- जो दुर्ग दुश्मन द्वारा जीते नहीं गये हो, उन्हें **बाला किला** कहा जाता है।

26. [a]

व्याख्या:-

अचलगढ़ (सिरोही)
- स्थिति ◈ आबू पर्वत/अर्बूदाचल/अर्बूद गिरी
- श्रेणी- गिरि दुर्ग
- निर्माण- परमार शासकों द्वारा
- पुनर्निर्माण- महाराणा कुंभा द्वारा (1452 ई.)
- जलस्रोत – मंदाकिनी कुण्ड, कपूर सागर तालाब व सावन-मादो झील
- इस दुर्ग में परमारों द्वारा निर्मित खतरे की सूचना देने वाली बुर्ज स्थित है।

♦♦♦♦

मंदिर

1. नागर शैली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. नागर शैली के मंदिरों का विस्तार हिमालय से लेकर विंध्याचल पर्वतमाला के मध्य क्षेत्र तक पाया जाता है।
II. इस शैली में मंदिर एक ऊँचे चबूतरे पर बने होते हैं, जिसे 'जगती' कहा जाता है।
III. प्रसिद्ध विद्वान पर्सी ब्राउन ने नागर शैली को 'उत्तर भारतीय आर्य शैली' की संज्ञा दी है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल II और III
(c) केवल I और III (d) I, II और III सभी

2. निम्नलिखित युग्मों को सुमेलित कीजिए-

मन्दिर	**स्थान**
A. भांडाशाह जैन मन्दिर	**1. जैसलमेर**
B. स्वर्ण जैन मन्दिर	**2. मेवानगर**
C. पार्श्वनाथ मन्दिर	**3. फालना**
D. लक्ष्मीनाथ मन्दिर	**4. बीकानेर**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	4	2	3	1
(d)	4	3	2	1

3. रसिया बालम मन्दिर के संदर्भ में सत्य कथन है/हैं-
A. यह मन्दिर माउंट आबू (सिरोही) में स्थित है।
B. इसे मेवाड़ का खजुराहो कहा जाता है।
कूट:-
(a) केवल B (b) केवल A
(c) A व B दोनों (d) दोनों गलत हैं

4. राजस्थान के निम्नलिखित मंदिरों में से गुर्जर-प्रतिहार काल में निर्मित मंदिरों को चुनिए-
(1) आहड़ का आदिवराह मंदिर
(2) आभानेरी का हर्षत माता का मंदिर
(3) राजोरगढ़ का नीलकंठ मंदिर
(4) ओसियाँ का हरिहर मंदिर
कूट:
(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 2 और 4
(c) 1, 2 और 4 (d) 1 और 4

5. उदयपुर स्थित एकलिंग जी मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इस मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में बप्पा रावल द्वारा करवाया गया था।
II. यह लकुलिश संप्रदाय का प्रमुख मंदिर है, जहाँ चतुर्मुखी शिवलिंग की पूजा की जाती है।
III. मेवाड़ के महाराणा स्वयं को एकलिंग जी का दीवान मानकर शासन करते थे।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल II और III
(c) केवल I और III (d) I, II और III सभी

6. रणकपुर के मंदिर में की गयी विशिष्ट तक्षणकला की निम्नांकित में से कौन-सी विशेषताएँ हैं?
1. नारी की दुर्बल आकृतियों को यहाँ प्राथमिकता से उकेरा गया है।
2. नारी प्रतिमाओं में सूक्ष्म तक्षण से विभिन्न मुद्राओं का प्रदर्शन।
3. बेहतरीन पुष्प आकृतियाँ, जो गुजराती कला और परंपरा की पहचान है।
4. यहाँ की प्रतिमाओं में अस्त्र-शस्त्रों का अंकन नहीं है।
सही उत्तर का चयन कीजिए -
(a) 1, 2 और 4 (b) 1, 2 और 4
(c) 1, 2 और 3 (d) 2, 3 और 4

7. करौली का कैलादेवी मंदिर किस नदी के किनारे स्थित हैं?
(a) काली सिंध (b) पार्वती
(c) कालीसिल (d) बामरी

8. रणकपुर के जैन मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. इस मंदिर का निर्माण महाराणा कुम्भा के काल में जैन व्यापारी धरणक शाह द्वारा करवाया गया था।
II. इस मंदिर के मुख्य वास्तुकार (शिल्पी) देपाक थे।
III. यह मंदिर मथाई नदी के किनारे स्थित है और इसमें कुल 1444 खम्भे हैं, जिसके कारण इसे 'खम्भों का अजायबघर' कहते हैं।
IV. इस मंदिर का आकार जैन धर्म के दिव्य विमान 'नलिनी गुल्म' के समान है।
उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल I, II और III (b) केवल II, III और IV
(c) केवल I, III और IV (d) I, II, III और IV सभी

9. राजस्थान का मामा-भाँजा मंदिर स्थित है-
(a) बाँसवाड़ा (b) डूँगरपुर
(c) धवनपुरी (d) सिरोही

10. बाराँ जिले में स्थित 'भंडदेवरा मंदिर' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इस मंदिर का मूल निर्माण 10वीं शताब्दी में मेदवंशीय राजा मलय वर्मा ने करवाया था।
II. अपनी मैथुन मुद्राओं वाली मूर्तियों के कारण इसे 'हाड़ौती का खजुराहो' या 'राजस्थान का मिनी खजुराहो' कहा जाता है।
III. 'भंडदेवरा' शब्द का शाब्दिक अर्थ 'टूटा-फूटा शिवालय' होता है।
IV. यह मंदिर मुख्य रूप से पंचायतन शैली में निर्मित है।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल II और III
(c) केवल I, II और IV (d) I, II, III और IV सभी

11. राजोरगढ़ में मथानदेव द्वारा निर्मित प्रसिद्ध मंदिर निम्न में से किस देवी/देवता को समर्पित था?
(a) सूर्य (b) महिषासुर मर्दिनी
(c) शिव (d) विष्णु

12. सही सुमेलित नहीं है?
(a) कपिल मुनि मंदिर - बीकानेर (b) जगदीश मंदिर - उदयपुर
(c) द्वारकाधीश मंदिर - जयपुर (d) मीराबाई मंदिर – चित्तौड़गढ़

13. कौन सा युग्म असंगत है-
(a) अर्थणा मंदिर - बाड़मेर
(b) हर्षत माता मंदिर - आभानेरी, दौसा
(c) विभीषण मंदिर - कैथून, कोटा
(d) हर्षनाथ मंदिर - सीकर

14. मंदिर और उसकी अवस्थिति स्थल के त्रुटिपूर्ण युग्म को पहचानिए
(a) मंडलेश्वर मंदिर – अर्थुणा
(b) सास-बहू का मंदिर – नागदा
(c) द्वारकाधीश मंदिर – कांकरोली
(d) अंबिका माता मंदिर – तलवाड़ा

15. बाड़ोली के शिव मंदिरों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. ये मंदिर चित्तौड़गढ़ जिले में चंबल और बामनी नदियों के संगम पर स्थित हैं।
II. इन मंदिरों का निर्माण हूण शासक मिहिरकुल द्वारा करवाया गया था।
III. यहाँ 9 मंदिरों का समूह है, जिनमें 'घाटेश्वर महादेव' का मंदिर सबसे प्रमुख है।
IV. ये मंदिर स्थापत्य की 'पंचायतन शैली' पर आधारित हैं।
उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल I, II और III (b) केवल II, III और IV
(c) केवल I, III और IV (d) I, II, III और IV सभी

16. पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर के अतिरिक्त राजस्थान में ही ब्रह्मा जी का दूसरा मंदिर कहाँ है?
(a) ओसिया (b) आसोतरा
(c) आशापूर्ण (d) डीग

17. बाँसवाड़ा स्थित त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. यह मंदिर उमराई गाँव (तलवाड़ा) में स्थित है।
2. यहाँ सिंह पर सवार भगवती की अष्टादश (18) भुजाओं वाली मूर्ति है।
3. मंदिर में भगवती की मूर्ति के पैरों के नीचे एक प्राचीन यंत्र उत्कीर्ण है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी

18. अपनी गोपुरम आकृति के लिए प्रसिद्ध रंगनाथ मंदिर, जिसका निर्माण सेठ पूरणमल ने 1844 ई. में करवाया, कहाँ स्थित है?
(a) पुष्कर में (b) नाथद्वारा में
(c) करौली में (d) आबू रोड़ में

19. उदयपुर (वर्तमान सलूम्बर) स्थित प्रसिद्ध अम्बिका माता मंदिर के संदर्भ में सत्य कथनों का चयन कीजिए–
1. इस मंदिर को 'मेवाड़ का खजुराहो' कहा जाता है और यह नागर शैली में निर्मित है।
2. यहाँ नृत्य करते हुए गणपति की विशाल प्रतिमा स्थित है।
3. इसका निर्माण 10वीं शताब्दी (गुर्जर-प्रतिहार काल) में हुआ है और इसके शिखर में 25 अंग-उपांग हैं।
सही कूट चुनिए:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी

20. राजस्थान में 'भूमिज शैली' का सबसे पुराना मंदिर है?
(a) पाली जिले का सेवाड़ी जैन मंदिर
(b) रामगढ़ का भण्डदेवरा मंदिर
(c) मैनाल का महानालेश्वर मंदिर
(d) डूँगरपुर का सोमनाथ मंदिर

21. ओसियाँ के मंदिर समूह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. यहाँ के मंदिर 'महामारू शैली' में निर्मित प्रतिहारकालीन वास्तुकला के उदाहरण हैं।
II. गुर्जर-प्रतिहार राजा वत्सराज द्वारा निर्मित महावीर मंदिर राजस्थान का प्राचीनतम जैन मंदिर माना जाता है।
III. यहाँ जैन मंदिरों के साथ-साथ हरिहर, सूर्य मंदिर और सच्चियाय माता के मंदिर भी स्थित हैं।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल I (b) केवल I और II
(c) केवल II और III (d) I, II और III सभी

22. सास-बहू के मंदिर कहाँ स्थित है?
(a) अर्थुना (b) नागदा
(c) सोमनाथ (d) आहड़

23. देशनोक (बीकानेर) स्थित करणी माता मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. करणी माता को बीकानेर के राठौड़ शासकों की कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है।
II. इस मंदिर को 'चूहों वाले मंदिर' के नाम से जाना जाता है, जहाँ सफेद चूहों को 'काबा' कहा जाता है।
III. मंदिर का वर्तमान स्वरूप और निर्माण मुख्य रूप से महाराजा गंगा सिंह द्वारा पूर्ण करवाया गया था।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल III
(c) I, II और III सभी (d) केवल II

24. 'श्री जगत शिरोमणि' मंदिर के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही नहीं है?
(a) मानसिंह-1 की याद में इसका निर्माण करवाया गया।
(b) रानी कनकावती ने इसका निर्माण करवाया था।
(c) इसमें सुन्दर गरुड़ मंडप है।
(d) मंदिर आमेर में स्थित है।

25. नाथद्वारा स्थित श्रीनाथ जी मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इस मंदिर का निर्माण 1671-72 ई. में मेवाड़ के महाराणा राजसिंह द्वारा करवाया गया था।
II. यह वल्लभ संप्रदाय का भारत में सबसे प्रमुख और बड़ा मंदिर केंद्र है।
III. यहाँ कार्तिक शुक्ल एकम को अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है, जिसमें 'भीलों की लूट' प्रसिद्ध है।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल I और III
(b) केवल II
(c) I, II और III सभी
(d) केवल I और II

उत्तर सहित व्याख्या

1. [d]
व्याख्या:-
- नागर शैली मुख्य रूप से उत्तर भारत की शैली है, जिसका विस्तार हिमालय और विंध्याचल पर्वतमाला के बीच के क्षेत्रों में है। इसका मुख्य केंद्र मध्य प्रदेश माना जाता है।
- इस शैली की एक प्रमुख विशेषता यह है कि मंदिर एक ऊँचे चबूतरे (प्लेटफ़ॉर्म) पर निर्मित होते हैं, जिसे 'जगती' के नाम से जाना जाता है।
- कला इतिहासकार पर्सी ब्राउन ने ही उत्तर भारत में प्रचलित इस नागर शैली को 'उत्तर भारतीय आर्य शैली' कहा है।

2. [d]
व्याख्या:-

मन्दिर	**स्थान**
A. भांडाशाह जैन मन्दिर	बीकानेर
B. स्वर्ण जैन मन्दिर	फालना (पाली)
C. पार्श्वनाथ मन्दिर	मेवानगर (नाकोड़ा)
D. लक्ष्मीनाथ मन्दिर	जैसलमेर

3. [b]
व्याख्या:-
- कथन **A** (सत्य): रसिया बालम मंदिर राजस्थान के माउंट आबू (सिरोही) में स्थित है। यह मंदिर देलवाड़ा जैन मंदिरों के ठीक पीछे स्थित है और एक प्रसिद्ध लोककथा "रसिया बालम और कुंवारी कन्या" की प्रेम कहानी से जुड़ा है।
- कथन **B** (असत्य): मेवाड़ का खजुराहो रसिया बालम मंदिर को नहीं, बल्कि उदयपुर के जगत गाँव में स्थित अम्बिका माता मंदिर को कहा जाता है।

4. [a]
व्याख्या:-
- **गुर्जर-प्रतिहार काल में बने प्रमुख मंदिर:**

(i) **आहड़ का आदिवराह मंदिर** - यह मंदिर उदयपुर जिले में स्थित है।
(ii) **आभानेरी का हर्षत माता का मंदिर** - आभानेरी का हर्षत माता मंदिर आठवीं शताब्दी में बनाया गया था। यह मंदिर दौसा जिले में स्थित है।
(iii) **राजोरगढ़ का नीलकंठ मंदिर -** यह मंदिर अलवर जिले में स्थित है।
(iv) **ओसियाँ का हरिहर मंदिर** - यह मंदिर जोधपुर जिले में स्थित है।

5. [d]
व्याख्या:-
एकलिंग जी का मंदिर (उदयपुर)
- एकलिंग का मंदिर उदयपुर में **कैलाशपुरी में** स्थित है।
- मेवाड़ के महाराणा एकलिंग जी को अपना राजा मानते थे और खुद को उनका दीवान समझते थे।
- इस मंदिर का निर्माण **बप्पा रावल** ने 8 वीं शताब्दी में करवाया था।
- इसे **लकुलिश संप्रदाय का मंदिर** भी कहते हैं।
- इस मंदिर में **चतुर्मुखी शिवलिंग** की पूजा होती है। यहाँ पर फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी पर महाशिवरात्रि का मेला लगता है।
- यहाँ पर **हारित ऋषि की मूर्ति** भी स्थित है।

6. [c]
व्याख्या:-
- अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य पाली जिले में स्थित रणकपुर में ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है।
- रणकपुर का जैन मंदिर अपनी उत्कृष्ट तक्षणकला के लिए प्रसिद्ध है।
- रणकपुर मंदिर 1444 शानदार नक्काशीदार खंभों पर टिका हुआ है। सभी एक दूसरे से आश्चर्यजनक रूप से अलग हैं। यह उन्हें देखने लायक बनाता है।
- नारी की दुर्बल आकृतियों को यहाँ प्राथमिकता से उकेरा गया है। बेहतरीन पुष्प आकृतियां, जो गुजराती कला और परंपरा की पहचान है।
- यहाँ की प्रतिमाओं में अस्त्र-शस्त्रों का अंकन भी है।

7. [c]

व्याख्या:-

- यह मंदिर राजस्थान के करौली जिले में कालीसिल **नदी के तट पर** स्थित है। कैला देवी मेला हिंदू माह चैत्र में आयोजित किया जाता है।
- इस मंदिर का निर्माण **राजा गोपालसिंह** द्वारा करवाया गया था।
- मंदिर के मुख्य कक्ष में **महालक्ष्मी, कैलादेवी और चामुंडा की मूर्ति** विराजमान है।
- कैलादेवी अपनी आठ भुजाओं में शस्त्र लिये हुए हैं और सिंह पर सवार है।
- कैलादेवी के मंदिर में लांगुरिया गीत गाये जाते हैं।

8. [d]

व्याख्या:-

रणकपुर के जैन मंदिर (पाली)

- रणकपुर के जैन मंदिर **पाली जिले** में सादड़ी के निकट **मथाई नदी** के किनारे स्थित है।
- इस मंदिर का निर्माण महाराणा कुम्भा के काल में जैन व्यापारी **धरणक शाह** ने करवाया।
- **उपनाम –** ‘चौमुखा जैन मंदिर’, ‘खम्भों का अजायबघर’
- इस मंदिर के वास्तुकार **शिल्पी देपाक** थे।
- यह एक चतुर्मुखी मंदिर है, इसके गर्भ गृह में एक मुख्य प्रतिमा और चारों दिशाओं में एक-एक प्रतिमा स्थित है।
- इस मंदिर में **1444 खम्भे** स्थित है और यह सभी **खम्भे** दूसरे **खम्भे** से भिन्न है तथा कहीं से भी देखने पर मंदिर के गर्भगृह की मूर्ति साफ दिखाई देती है।
- कवि मेह ने इस मंदिर को **‘त्रिलोक दीपक प्रसाद मंदिर’** कहा।
- यह मंदिर **पंचायतन शैली व भूमिज शैजी** में निर्मित है।
- यह मंदिर जैन धर्म के दिव्य विमान नलिनी गुल्म के आकार का बना हुआ था।

9. [b]

व्याख्या:-

- **मामा-भान्जा मंदिर - फूलदेवरा (अटरू, बाराँ)**
- डूँगरपुर में भी एक प्रसिद्ध मामा-भांजा मंदिर है।

10. [d]

व्याख्या:-

- भंडदेवरा का मंदिर राजस्थान का एक प्राचीन मंदिर है, जो **बाराँ जिले** में स्थित है।
- मंदिर अपनी वास्तुकला के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है, यह मंदिर **पंचायतन शैली का उत्कृष्ट नमूना** है।
- इस मंदिर का निर्माण मेदवंशीय **'राजा मलय वर्मा' ने 10वीं शताब्दी में** करवाया था।
- भण्डदेवरा का अर्थ होता है- टूटा-फूटा शिवालय।
- बाद में 1162 ई. में **राजा त्रिशावर्मन द्वारा इसका जीर्णोद्धार** करवाया गया था।
- यहाँ मैथुन मुद्रा में अनेक मूर्तियाँ बनी हैं इसलिए यह मंदिर **'राजस्थान के मिनी खजुराहो/हाड़ौती का खजुराहो'** कहलाता है। (स्रोत- राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति कक्षा-10 मा. शि. बो. अजमेर

11. [c]

व्याख्या:-

- यह एक स्थानीय प्रतिहार सामंत, महाराजाधिराज मथानदेव द्वारा बनाया गया था।
- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

12. [c]

व्याख्या:-

- **कपिल मुनि मंदिर -** बीकानेर के कोलायत में में स्थित है।
- **जगदीश मंदिर** - राजस्थान के उदयपुर के मध्य में स्थित हिंदू मंदिर है।
- **द्वारकाधीश मंदिर** - कांकरोली (राजसमंद) में स्थित है।
- **मीरा बाई मंदिर, चित्तौड़गढ़ में स्थित**, एक प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है जो मीरा बाई को समर्पित है। उन्होंने अपना जीवन भगवान कृष्ण की पूजा में समर्पित कर दिया था।

13. [a]

व्याख्या:-

अर्थणा मंदिर - बाँसवाड़ा

- अर्थना में वागड़ के परमार शासकों द्वारा 11वीं व 12वीं शताब्दी में निर्मित मंदिर मौजूद हैं।
- यहाँ पर खुदाई में अनेक शिव, वैष्णव व जैनियों की टूटी मूर्तियाँ भी मिली है।
- **अर्थना के प्रमुख मंदिर** - मंडलेश्वर महादेव मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर, हनुमानगढ़ी मंदिर समूह, सोमनाथ मंदिर, कनफटे साधुओं का मंदिर, कुम्भेश्वर मंदिर, गदाधर का मंदिर आदि।
- हर्षत माता मंदिर - आभानेरी, दौसा में स्थित है।
- विभीषण मंदिर - कैथून, कोटा में स्थित है।
- हर्षनाथ राजस्थान राज्य में सीकर जिले के निकट स्थित एक ऐतिहासिक मंदिर है।

14. [d]

व्याख्या:-

- मंडलेश्वर मंदिर, जो कि अरथूना मंदिर समूह का एक हिस्सा है, राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले में स्थित है।
- सहस्रबाहु का मंदिर **उदयपुर के नागदा** में स्थित है।
- **द्वारकाधीश मंदिर** कांकरोली (राजसमंद) में स्थित है।
- **अम्बिका माता मंदिर** उदयपुर से लगभग 50 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में जगत गाँव में स्थित एक हिंदू मंदिर है।

15. [d]

व्याख्या:-

बाड़ोली के शिव मंदिर (चित्तौड़गढ़)

- बाड़ोली के शिव मंदिर **चित्तौड़गढ़ जिले** में **चंबल एवं बामनी नदियों के संगम पर** स्थित है।
- इसका निर्माण हूण शासक **मिहिरकुल** ने **छठी शताब्दी** में करवाया था।
- यह मंदिर **पंचायतन शैली** पर आधारित है।
- यहाँ 9 छोटे बड़े मंदिरों का समूह है जिसमें से सबसे प्रमुख मंदिर 'घाटेश्वर महादेव' का है, इस मंदिर का निर्माण 9वीं शताब्दी में **हूण शासक तोरमाण के पुत्र मिहिरकुल** ने करवाया था। (स्रोत- राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति कक्षा-10 मा. शि. बो. अजमेर)

16. [b]

व्याख्या:-

- राजस्थान के **बालोतरा जिले के आसोतरा में** स्थित है। यहाँ विश्व का द्वितीय सबसे बड़ा ब्रह्माजी का मंदिर स्थित है।
- **ब्रह्माजी के संग सावित्री जी** प्रतिष्ठित है इस दृष्टि से यह विश्व का अद्वितीय मंदिर हैं।
- इस मंदिर का निर्माण **खेताराम जी महाराज ने 1984** में करवाया था।

17. [d]

व्याख्या:-

त्रिपुरा सुंदरी का मंदिर (बाँसवाड़ा)

- त्रिपुरा सुंदरी का मंदिर बाँसवाड़ा के **उमराई गाँव, तलवाड़ा** में स्थित है।
- इस मंदिर में **सिंह पर सवार भगवती की अष्टादश भुजा की मूर्ति** है।
- इसे लोग **त्रिपुर सुंदरी, तुरताई माता, त्रिपुरा महालक्ष्मी** आदि नामों से संबोधित करते हैं।
- इस मंदिर में भगवती की मूर्ति के पैरों के नीचे प्राचीन समय का कोई यंत्र उत्कीर्ण है।

18. [a]

व्याख्या:-

रंगनाथ का मंदिर (पुष्कर)

- रंगनाथ का मंदिर **पुष्कर** में स्थित है।
- इस मंदिर में **भगवान विष्णु, लक्ष्मी तथा नृसिंह जी की 1300 साल से भी पुरानी मूर्तियाँ है।**
- इसमें स्थित काले पत्थरों से निर्मित रंगनाथ की मूर्ति स्थित है।
- यह मंदिर वास्तुकला का अद्भुत नमूना है।
- 1844 ई. में सेठ पूरनमल द्वारा निर्मित और अपने गोपुरम डिजाइन के लिए प्रसिद्ध रंगनाथ का मंदिर पुष्कर में स्थित है।
- इसे पुराने **रंगजी मंदिर या पुराना रंगजी मंदिर** के नाम से भी जाना जाता है।

19. [d]

व्याख्या:-

अम्बिका माता मन्दिर

- उपनाम - 'मेवाड़ का खजुराहो'।
- इस मन्दिर के **शिखर में 25 अंग-उपांग** हैं।
- अम्बिका माता मंदिर- जगत (सलूम्बर)
- यहाँ **नृत्य करते हुये गणपति की विशाल प्रतिमा** स्थित है।
- मंदिर निर्माण **नागर शैली में** है।
- इसका निर्माण **10वीं शताब्दी में** हुआ है।
- यहाँ 3 शिलालेख लगे हैं जिनमें से एक शिलालेख 1017 वि. संवत् का है। इस मंदिर का निर्माण गुर्जर प्रतिहार काल में हुआ है, पर इसकी शैली गुर्जर प्रतिहार शैली से भिन्न है। (स्रोत- राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति कक्षा-10 मा. शि. बो. अजमेर, पेज नं- 76)

20. [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान में 'भूमिज शैली' का सबसे पुराना पाली जिले का **सेवाड़ी जैन मंदिर** है।
- भूमिज शैली मंदिर निर्माण की नागर शैली की एक उप-शैली है।
- **पुष्कर का ब्रह्मा मंदिर -** ब्रह्मा मंदिर भारत के राजस्थान राज्य के पुष्कर में स्थित एक हिंदू मंदिर है, जो पवित्र पुष्कर झील के करीब है।

21. [d]

व्याख्या:-

जैन मंदिर - ओसियाँ (जोधपुर)

- ये मंदिर **महामारू शैली में निर्मित प्रतिहारकालीन** हैं।
- यहाँ 8वीं से 12 वीं शताब्दी के बने अनेक जैन व वैष्णव मंदिर स्थित हैं।
- यहाँ स्थित जैन मंदिरों में महावीर मंदिर प्रमुख है।
- वैष्णव मंदिरों में **हरिहर मंदिर व सूर्य मंदिर तथा शक्ति मंदिरों में सच्चियाय माता मंदिर व पीपला माता का मंदिर** प्रमुख हैं। (स्रोत- राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति कक्षा 10 मा. शि. बो. अजमेर)

महावीर मंदिर - ओसियाँ (जोधपुर)

- गुर्जर प्रतिहार राजा वत्सराज द्वारा 8वीं सदी में निर्मित यह मंदिर राजस्थान में प्राचीनत्तम जैन मंदिर है।

22. [b]

व्याख्या:-

सहस्त्रबाहु मंदिर (सास-बहु का मंदिर, उदयपुर)

- सहस्त्रबाहु का मंदिर **उदयपुर के नागदा** में स्थित है। इस मंदिर को सास-बहू का मंदिर है। यह भगवान **विष्णु का मंदिर** है।
- इसका निर्माण हिंदू शैली पर आधारित है।
- इस मंदिर का निर्माण 1026 ई. में **गुहिल शासक श्रीधर** ने करवाया था।

23. [c]

व्याख्या:-

करणी माता मंदिर (देशनोक, बीकानेर)

- करणी माता मंदिर **बीकानेर जिले के देशनोक** में स्थित है।
- इसका निर्माण बीकानेर के **महाराजा करणी सिंह** द्वारा करवाया गया।
- करणी माता **बीकानेर के शासकों की कुल देवी** मानी जाती है।
- यह मंदिर **चूहों के लिए विश्व प्रसिद्ध** है, इसलिए इसे चूहों वाला मंदिर कहते हैं।
- यहाँ पर सफेद चूहे का दर्शन करना शुभ माना जाता है, जिन्हें **'काबा'** कहते है।

24. [a]

व्याख्या:-

जगत शिरोमणि मन्दिर

- **आमेर (जयपुर)** में स्थित इस मंदिर का निर्माण महाराजा मानसिंह प्रथम की पत्नी **कंकावती** ने अपने पुत्र **जगतसिंह की याद में** करवाया था।
- इस मन्दिर में भगवान कृष्ण की **काले पत्थर** की मूर्ति है। ऐसा कहा जाता है कि इस मन्दिर में स्थापित भगवान कृष्ण की मूर्ति, चित्तौड़गढ़ के मीरा मन्दिर से लाई गई थी।
- इस मन्दिर के शिल्प एवं सौन्दर्य पर **मुगल शैली** का स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है।

25. [c]

व्याख्या:-

श्रीनाथ मंदिर (नाथद्वारा)

- श्रीनाथ जी मंदिर राजसमंद के **नाथद्वारा** में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण 1671-72 ई. में मेवाड़ के **महाराणा राजसिंह** ने करवाया था।
- यह मंदिर वल्लभ सप्रदाय का सबसे बड़ा मंदिर है।
- श्रीनाथ जी की मूर्ति मूल रूप से मथुरा में एक मंदिर में **वल्लभाचार्य** ने स्थापित की थी। 1669 ई. में औरंगजेब द्वारा मंदिरों को ध्वस्त करने पर तब वहां के पंडितों ने इसे नाथद्वारा लाकर स्थापित किया।
- **अन्नकूट महोत्सव (कार्तिक शुक्ल एकम)** – इस दिन **'भीलों की लूट'** प्रसिद्ध है।

♦♦♦♦

महल एवं स्मारक

1. जयपुर स्थित 'मुबारक महल' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इस महल का निर्माण सवाई माधोसिंह द्वितीय द्वारा अतिथियों के ठहरने के लिए करवाया गया था।
II. यह महल जयपुर के सिटी पैलेस (चंद्रमहल) परिसर में स्थित है और इसके निर्देशनकर्ता सर स्वीटन जैकब थे।
III. 'वीरेन्द्र पोल' इस महल के पश्चिमी भाग में स्थित मुख्य प्रवेश द्वार है।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल I (b) केवल III
(c) केवल I और II (d) I, II और III सभी

2. राजस्थान के विभिन्न 'बादल महलों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. जैसलमेर का बादल महल राजस्थान का सबसे ऊँचा बादल महल है, जिसे 'ताजिया टावर' भी कहा जाता है और इसका निर्माण सिलावटों ने करवाया था।
2. नागौर दुर्ग में स्थित बादल महल अपनी बेमिसाल कलात्मकता के लिए प्रसिद्ध है, जबकि बीकानेर (जूनागढ़) का बादल महल सोने की नक्काशी के लिए जाना जाता है।
3. कुंभलगढ़ दुर्ग (राजसमंद) के बादल महल में मेवाड़ के प्रतापी शासक महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था।
4. डूँगरपुर में गैबसागर झील के किनारे स्थित बादल महल का निर्माण महारावल पुंजराज ने करवाया था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

3. नाहरगढ़ दुर्ग में स्थित 'नौ महलों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. इन नौ महलों का निर्माण सवाई माधोसिंह द्वितीय ने अपनी नौ रानियों (पासवानों) के लिए करवाया था।
II. ये सभी नौ महल स्थापत्य कला में एक-दूसरे के बिल्कुल समान (एक जैसे) बने हुए हैं।
III. 'सूरज प्रकाश', 'खुशाल प्रकाश' और 'जवाहर प्रकाश' इन प्रसिद्ध नौ महलों के ही नाम हैं।
उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल III
(c) I, II और III सभी (d) केवल II और III

4. 'जलमहलों की नगरी' डीग (डीग जिला) के संदर्भ में दिए गए कथनों पर विचार कीजिए–
1. डीग में महलों के निर्माण की शुरुआत सर्वप्रथम 1725 ई. में राजा बदनसिंह ने करवाई थी।
2. डीग के प्रसिद्ध जलमहलों का निर्माण भरतपुर के राजा सूरजमल ने 1755 से 1763 ई. के मध्य करवाया।
3. गोपाल भवन, सूरज भवन और सावन-भादो महल यहाँ के प्रमुख दर्शनीय महल हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी

5. एक महल जिसका निर्माण किले की भांति किया गया है। जहाँ मजबूत बाहरी दीवारों पर अस्त व्यस्त बुर्ज एवं गुम्बद, खुली छतें, मौखे सहित पहरा चौकियाँ, परकोटे में तीरन्दाजों के लिए झिरियों जिससे सैनिकों के घिर जाने का प्रतिकार किया जा सके; वह है-
(a) जग निवास, उदयपुर
(b) जूना पैलेस, डूँगरपुर
(c) राई का बाग पैलेस, जोधपुर
(d) बादल महल, जैसलमेर

6. अनेक खिड़कियों और झरोखों से सुसज्जित खेतड़ी महल के बहुमंजिले भव्य भवन में लखनऊ की भूल-भुलैया और जयपुर के हवामहल की झलक देखी जा सकती है। शेखावाटी के इस हवामहल का निर्माण खेतड़ी के महाराजा भोपालसिंह ने ग्रीष्मकालीन विश्राम स्थल के रूप में करवाया था। यह अद्भुत महल स्थित है?
(a) खेतड़ी में (b) पिलानी में
(c) झुंझुनूँ में (d) चूरू में

7. जयपुर के 'सिटी पैलेस' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इस भव्य महल का निर्माण सवाई जयसिंह-द्वितीय द्वारा करवाया गया था, जिसके मुख्य निर्देशनकर्ता विद्याधर भट्टाचार्य थे।
2. इसे 'चन्द्रमहल', 'सतखणा महल' और 'सबरता' जैसे अन्य नामों से भी जाना जाता है।
3. यह महल सात मंजिला है, जिसकी सबसे ऊपरी मंजिल को 'मुकुट मंदिर' और सबसे निचली मंजिल को 'चन्द्र मंदिर' कहा जाता है।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3 (d) केवल 1

8. सुमेलित कीजिए-
(1) फतह प्रकाश पैलेस (A) सिरोही
(2) सुखमहल पैलेस (B) चित्तौड़गढ़
(3) केसर विलास पैलेस (C) भरतपुर
(4) किशोरी महल (D) बूँदी
(a) 1-A, 2-B, 3-C, 4-D (b) 1-B, 2-D, 3-A, 4-C
(c) 1-D, 2-C, 3-B, 4-A (d) 1-C, 2-D, 3-A, 4-B

9. सूची I के साथ सूची II को सुमेलित कीजिए –

सूची I (प्रसिद्ध स्थान)	सूची II (शहर)
A. बादल विलास महल	I. जयपुर
B. मुबारक महल	II. कोटा
C. नेहर खान की मीनार	III. जोधपुर
D. मेहरानगढ़ किला	IV. जैसलमेर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-IV, B-II, C-I, D-III (b) A-IV, B-I, C-II, D-III
(c) A-IV, B-II, C-III, D-I (d) A-II, B-III, C-I, D-IV

10. राजस्थान में निम्नलिखित में से किस स्मारक को "मारवाड़ का ताजमहल" कहा जाता है?
(a) जसवंत थड़ा (b) देलवाड़ा मंदिर
(c) रणकपुर जैन मंदिर (d) फतेह प्रकाश स्थान

11. किसने टोंक में नृत्य, गायन और संगीत के लिए एक शानदार हॉल 'सुनहरी कोठी' का निर्माण करवाया है?
(a) नवाब वाजिद अली शाह
(b) नवाब अमीर खान
(c) नवाब बिरजिस कद्र
(d) नवाब मुहम्मद इब्राहिम अली खान

12. राजस्थान के प्रमुख महलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. डीग का गोपाल भवन यहाँ के महलों में सबसे बड़ा है, जहाँ शाहजहाँ का संगमरमर का झूलेनुमा सिंहासन स्थित है।
2. झालावाड़ में स्थित 'काठ का रैन बसेरा' महल का निर्माण 1936 में राव राजेन्द्र सिंह द्वारा करवाया गया था।
3. कोटा में चम्बल नदी के किनारे स्थित अभेड़ा महल को राज्य सरकार अब पर्यटक केंद्र के रूप में विकसित कर रही है।
4. मुकुन्द सिंह द्वारा निर्मित अबली मीणी के महल को कर्नल टॉड ने 'राजस्थान का छोटा ताजमहल' कहा है।
सही कूट का चयन कीजिए:
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 सभी

13. निम्नलिखित में से कौन-सा डूँगरपुर के 'एक थंबिया महल' को चारों ओर से घेरने वाले चार महलों में से एक नहीं हैं?
(a) विजय निवास (b) उदय विलास
(c) हुकुम निवास (d) खुमन निवास

14. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

A. सुनहरी कोठी	**(i) भरतपुर**
B. लाल कोठी	**(ii) बीकानेर**
C. मृगाया महल	**(iii) टोंक**
D. लालगढ़ पैलेस	**(iv) जयपुर**

कूट:

	A	B	C	D
(a)	iv	ii	i	iii
(b)	iii	iv	i	ii
(c)	i	ii	iii	iv
(d)	ii	i	iv	iii

15. मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर) में स्थित महलों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
1. इस दुर्ग में मोती महल, फतेह महल, चोखेलाव महल और खबका महल जैसे प्रसिद्ध महल स्थित हैं।
2. महाराजा अभयसिंह द्वारा निर्मित 'फूल महल' इस दुर्ग का सबसे आकर्षक महल माना जाता है।
3. सिणगार चौकी का निर्माण महाराजा तख्तसिंह ने करवाया था, जहाँ जोधपुर के राजाओं का राजतिलक होता था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी

16. हवामहल, जयपुर के बारे में निम्नलिखित बयानों पर विचार करें और नीचे दिये गए कोड में से प्रश्न का उत्तर दें-
1. हवामहल एक आठ मंजिली संरचना है।
2. हवामहल महाराजा सवाई प्रतापसिंह द्वारा बनवाया गया था।
3. हवामहल में 953 झरोखे या जटिल डिजाइनों से सजाई गई खिड़कियाँ है।
हवामहल के बारे में ऊपर दिये गए बयानों में से कौन-सा/से बयान सही है/हैं-
(a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 2
(c) 1 और 3 (d) 2 और 3

17. कीर्ति स्तम्भ, चित्तौड़गढ़ का निर्माण किसके द्वारा किया गया था?
(a) जैन तीर्थकर (b) जैन मुनि
(c) जैन व्यापारी (d) जैन राजा

18. दिवेर के विजय स्मारक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कर सत्य कथन/कथनों का चयन कीजिए–
1. दिवेर (राजसमंद) में महाराणा प्रताप विजय स्तम्भ का निर्माण एक ऊँची पहाड़ी पर किया गया है।
2. स्थानीय लोग इसे "मेवा का मथारा" कहते है।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 व 2 दोनों (d) दोनों गलत है।

19. जयपुर स्थित आमेर महल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इसका निर्माण 1592 ई. में कच्छवाहा शासक मानसिंह द्वारा मावठा झील के निकट करवाया गया था।
2. यह महल स्थापत्य की हिन्दू-मुस्लिम शैली का एक सुंदर समन्वित रूप प्रस्तुत करता है।
3. यहाँ स्थित 'गणेश पोल' का निर्माण मिर्जा राजा जयसिंह ने करवाया, जिसे फर्ग्यूसन ने विश्व का सर्वश्रेष्ठ दरवाजा माना है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी

20. उम्मेद भवन पैलेस (जोधपुर) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इस महल का निर्माण महाराजा उम्मेदसिंह द्वारा अकाल राहत कार्यों के तहत करवाया गया था।
2. यह महल 'छीतर पत्थर' से निर्मित होने के कारण 'छीतर पैलेस' के नाम से भी जाना जाता है।
3. इसके मुख्य वास्तुविद् (Architect) हेनरी वॉगन लेंचेस्टर थे।
4. यह विश्व के सबसे बड़े रिहायशी महलों में से एक है और 'इंडो-डेको' शैली में बना है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 4
(c) 1, 2 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

21. जयपुर के निकट स्थित 'सामोद महल' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इस महल का प्रारंभिक निर्माण 16वीं शताब्दी (1550 ई.) के मध्य राजा बिहारीदास द्वारा एक किले के रूप में करवाया गया था।
2. महल का मुख्य आकर्षण 'शीशमहल' है, जिसका निर्माण 19वीं सदी में रावल शिवसिंह द्वारा करवाया गया था।
3. यहाँ स्थित 'सुल्तान महल' अपनी नीली टाइलों (Blue Tiles) के सजावट और बारीक चित्रकारी के लिए प्रसिद्ध है।
4. इस परिसर में 'सात बहनों का मंदिर' और एक प्राचीन किला भी दर्शनीय है, जो महल से एक भूमिगत मार्ग से जुड़ा बताया जाता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

22. छतरी-स्थल के गलत युग्म चुनिए-
1. 84 खंभों की छतरी - कोटा
2. ब्राह्मण देवता की छतरी - मण्डोर
3. मामा भांजा की छतरी - जयपुर
4. कुंवर पृथ्वीराज की छतरी - कुंभलगढ़
(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) केवल 1

23. उदयपुर के प्रसिद्ध 'जगनिवास पैलेस' के संबंध में सत्य कथनों का चयन कीजिए–
1. इस महल का निर्माण 1746 ई. में महाराणा जगतसिंह द्वितीय द्वारा करवाया गया था।
2. यह महल उदयपुर की प्रसिद्ध पिछोला झील के मध्य एक टापू (Island) पर स्थित है।
3. इस परिसर में संगमरमर से निर्मित 'धोला महल' अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है।
सही कूट का चयन करें:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

24. राजस्थान के प्रमुख महलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. जैसलमेर में स्थित 'बादल महल' को अपने गुंबदों की विशेष आकृति के कारण 'ताजिया टावर' के उपनाम से जाना जाता है।
2. बीकानेर के लालगढ़ पैलेस का निर्माण महाराजा गंगासिंह ने अपने पिता लालसिंह की स्मृति में करवाया था।
3. लालगढ़ पैलेस का डिजाइन सर स्विंटन जैकब ने तैयार किया था और इसमें 'अनूप संस्कृत लाइब्रेरी' स्थित है।
4. 'जूना महल' डूँगरपुर जिले में धन माता पहाड़ी पर स्थित एक प्राचीन महल है।
उपर्युक्त में से कौन-/से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

25. राईका बाग पैलेस (जोधपुर) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इस महल का निर्माण 1663 ई. में महाराजा जसवंतसिंह प्रथम की रानी हाड़ी जी ने करवाया था।
2. महाराजा जसवंतसिंह द्वितीय इसी महल में बैठकर स्वामी दयानन्द सरस्वती के उपदेश सुना करते थे।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

26. स्थापत्य कला से जुड़ी हवेलियों व उनके स्थानों को सुमेलित कीजिए?

(A) उदयपुर	**i. नथमल की हवेली**
(B) जैसलमेर	**ii. बागोर हवेली**
(C) जैसलमेर	**iii. लालचन्द ढड्ढा**
(D) फलौदी	**iv. सालिमसिंह की हवेली**

कूट:
(a) A- i, B- ii, C- iii, D- iv
(b) A-ii, B- iii, C- iv, D- i
(c) A- ii, B- iv, C- i, D- iii
(d) A- iii, B- ii. C- i, D- iv

27. बावड़ियों को उनके निर्माणकर्ता के साथ सुमेलित करते हुए सही कूट का चयन करें:

बावड़ी	निर्माता
A. त्रिमुखी, उदयपुर	i. रामरसदे
B. नौलखा, डूँगरपुर	ii. भीका
C. रानी जी की बावड़ी, बूँदी	iii. नाथावत
D. चतरा धाबाई की बावड़ी, बूँदी	iv. प्रीमल देवी

कूट:-

	A	B	C	D
(a)	ii	i	iii	iv
(b)	i	iv	iii	ii
(c)	iv	i	ii	iii
(d)	iii	ii	i	iv

28. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए -

हवेली	स्थान
(a) कानोडिया हवेली	**(i) नवलगढ़**
(b) सेकसरिया की हवेली	**(ii) बिसाऊ**
(c) रामपुरिया हवेली	**(iii) जयपुर**
(d) रत्नाकर भट्ट पौण्डरीक की हवेली	**(iv) बीकानेर**

सही कूट का चयन कीजिए -
(a) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
(d) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)

29. आभानेरी के संदर्भ में कौन-सा/से विकल्प सही हैं?
(1) यहाँ निर्मित हर्षत माता मंदिर प्रतिहारों के सामंत चौहानों ने बनवाया था।
(2) यहाँ की चाँद बावड़ी विश्व प्रसिद्ध है।
(3) यहाँ का पिप्पलाद माता का मंदिर प्रसिद्ध है।
कूट -
(a) केवल 2 (b) 1 और 2
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 3

30. गलत युग्म को चुनिए-:

जल राशि		**स्थान (जिला)**
(a) गैप सागर	:	डूँगरपुर
(b) कायलाना	:	जोधपुर
(c) चाँद बावड़ी	:	दौसा
(d) घड़सीसर	:	बीकानेर

31. शहर-छतरियाँ सुमेलित कीजिए-

A. जयपुर	**1. बड़ा बाग**
B. जोधपुर	**2. छत्र विलास**
C. कोटा	**3. जसवंत थड़ा**
D. जैसलमेर	**4. गैटोर**

कूट:
(a) A-1, B-2, C-3, D-4
(b) A-4, B-2, C-3, D-1
(c) A-4, B-3, C-2, D-1
(d) A-4, B-3, C-1, D-2

♦ ♦ ♦ ♦

उत्तर सहित व्याख्या

1. [c]

व्याख्या:-

मुबारक महल

- **स्थान -** जयपुर में चंद्रमहल में स्थित है।
- **निर्माण –** सवाई माधोसिंह द्वितीय ने करवाया था।
- **निर्देशनकर्ता -** सर स्वीटन जैकब।
- **वीरेन्द्र पोल -** मुबारक महल के पूर्व का विशाल दरवाजा।
- इसका निर्माण अतिथियों को ठहराने के लिए किया गया था।

2. [d]

व्याख्या:-

प्रमुख बादल महल

i. बादल महल, जैसलमेर

- राजस्थान का सबसे बड़ा/ऊँचा बादल महल है।
- **उपनाम –** ताजिया टावर
- इस महल का निर्माण **सिलावटों ने** किया तथा महारावल बेरिसाल को भेंट कर दिया।

ii. बादल महल, नागौर

- **नागौर दुर्ग** में स्थित है।
- यह कलात्मक बादल महल कहलाता है।

iii. बादल महल, बीकानेर

- **जूनागढ़ दुर्ग** में स्थित है
- यह बादल महल **सोने की नक्काशी** के लिए प्रसिद्ध है।

iv. बादल महल, राजसमंद

- **कुंभलगढ़ दुर्ग** में स्थित है।
- इसमें **महाराणा प्रताप** का जन्म हुआ।

v. बादल महल, डूँगरपुर

- **निर्माण- डूँगरपुर में** गैबसागर झील के किनारे स्थित इस महल का निर्माण **महारावल पुंजराज** ने करवाया।

3. [c]

व्याख्या:-

एक समान नौ महल

- यह महल जयपुर के **नाहरगढ़ दुर्ग** में स्थित हैं।
- इन नौ महलों का निर्माण **सवाई माधोसिंह द्वितीय** ने अपनी रानियों के लिए करवाया था।
- सवाई माधोसिंह ने किले में अपनी 9 रानियों के लिए 9 महल बनवाये थे-

I. सूरज प्रकाश	II. खुशाल प्रकाश
III. जवाहर प्रकाश	IV. ललित प्रकाश
V. लक्ष्मी प्रकाश	VI. आनंद प्रकाश
VII. चंद्र प्रकाश	VIII. रत्न प्रकाश
IX. वसंत प्रकाश।	

4. [d]

व्याख्या:-

डीग के महल, डीग

- डीग नगर भव्य **जल महलों** के लिए प्रसिद्ध है।
- इसे '**जलमहलों की नगरी**' कहा जाता है।
- **निर्माण-** सर्वप्रथम **1725** में **राजा बदनसिंह** ने करवाया था।
- **प्रमुख महल-** गोपाल भवन, केशव-भवन, किशन भवन, नंदभवन, सूरज भवन तथा सावन भादो महल प्रमुख हैं।
- डीग के जलमहल का निर्माण भरतपुर के जाट राजा सूरजमल ने **1755** से **1763** के मध्य करवाया गया था।

5. [b]

व्याख्या:-

जूना महल

- **डूँगरपुर** में धन माता पहाड़ी पर निर्मित महल।
- इस मंदिर की नींव 12वीं सदी के अंत में **महारावल वीरसिंह** ने रखी।
- यह महल आकर्षक **भित्ति चित्रों एवं शीशे के कार्यों से अलंकृत** हैं।

6. [c]

व्याख्या:-

खेतड़ी महल (झुंझुनूँ)

- **निर्माण-** भोपालसिंह ने 1760 ई. में करवाया।
- महाराजा ने इस महल का निर्माण अपने **ग्रीष्मकालीन विश्राम** हेतु करवाया गया था।
- इसे **'राजस्थान का दूसरा हवामहल'** तथा **'शेखावाटी का हवामहल'** कहा जाता है।
- इस बहुमंजिले महल में **लखनऊ जैसी भूल-भूलैया** एवं **जयपुर के हवामहल की झलक** देखने को मिलती है।

7. [a]

व्याख्या:-

सिटी पैलेस (जयपुर)

- **निर्माता -** सवाई जयसिंह-द्वितीय।
- **निर्देशनकर्ता -** विद्याधर भट्टाचार्य
- **अन्य नाम:** 'चन्द्रमहल', 'सतखणा महल', 'राजमहल', 'सबरता'।
- यह जयपुर राजपरिवार का निवास स्थान था।
- **7 मंजिलें -**

  i. चन्द्र मंदिर (सबसे निचली मंजिल)

ii. सुख निवास	iii. रंग मंदिर
iv. शोभा निवास	v. छवि निवास
vi. श्रीनिवास	vii. मुकुट मंदिर।

8. [b]

व्याख्या:-

- गौरा बादल महल, पद्मिनी महल, बनवीर महल, कुम्भा महल, **फतेहप्रकाश चितौड़गढ़ में स्थित है।**
- **केसर विलास महल, सिरोही** में स्थित है जो महाराजा केसरसिंह द्वारा निर्मित करवाया गया है।
- **किशोरी महल** भरतपुर में निर्मित है। स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।
- **सुखमहल - बूँदी में जैतसागर झील** के निकट स्थित सुखमहल का निर्माण **राजा विष्णुसिंह** ने करवाया।

9. [b]

व्याख्या:-

- **मुबारक महल -** जयपुर में चंद्रमहल में स्थित है।
- **'नेहर खान की मीनार'** कोटा में स्थित है।
- **मेहरानगढ़** राव जोधा द्वारा जोधपुर में बनवाया था।

10. [a]

व्याख्या:-

- "मारवाड़ का ताजमहल" जसवन्त थड़ा जोधपुर में स्थित है।

11. [d]

व्याख्या:-

सुनहरी कोठी (टोंक)

- **निर्माण -** सन् 1824 में **नवाब अमीर खाँ** द्वारा प्रारम्भ किया गया तथा 1834 ई. में **नवाब वजी-उद्-दौला** द्वारा पूर्ण करवाया गया।

12. [d]

व्याख्या:-

गोपाल भवन

- डीग के महलों में सबसे बड़ा व भव्य महल।
- **निर्माण-** महाराजा बदनसिंह ने शुरु करवाया जिसे बाद में महाराजा सूरजमल ने पूर्ण करवाया था।
- यहाँ शाहजहाँ का संगमरमर का झूलेनुमा सिंहासन है।
- **'काठ का रैन बसेरा'** महल **झालावाड़** में स्थित है।
- **निर्माण-** लकड़ी से निर्मित यह महल राव राजेन्द्रसिंह द्वारा **1936** में बनवाया गया।

गढ़ पैलेस भवन-

- **झालावाड़ में** 1838 ई. में **झाला मदनसिंह** द्वारा निर्मित।
- गढ़ पैलेस चौकोर है तथा इसके तीन द्वार हैं।

अभेड़ा महल-

- **कोटा के पास चम्बल नदी** के किनारे स्थित ऐतिहासिक महल अब राज्य सरकार पर्यटक केन्द्र के रूप में विकसित कर रही है।

अबली (अमली) मीणी का महल-

- **निर्माण- मुकुन्दसिंह** द्वारा अपनी चहेती पासवान अबली (अमली) मीणी के लिए।
- **कर्नल जेम्स टॉड** ने इस महल को **'राजस्थान का दूसरा या छोटा ताजमहल'** की संज्ञा दी थी।

13. [c]

व्याख्या:-

- राजस्थान के डूँगरपुर ज़िले उपस्थित एक थम्बिया महल चारो तरफ़ से विजय निवास, उदय बिलास, लक्ष्मण निवास और खुमन निवास से घिरा हुआ है। एक थम्बिया महल हमारे स्थानीय वास्तुकारों द्वारा निर्मित एक अद्भुत वास्तुकला का जीता जागता प्रमाण है।
- डूँगरपुर नगर को **महारावल डूँगर सिंह** द्वारा बसाया गया था।

एक थम्बिया महल

- यह **डूँगरपुर** के **गैबसागर झील** के तट पर उदयविलास राजप्रासाद में स्थित शिवालय है।
- **निर्माण- महारावल शिवसिंह** द्वारा अपनी माता राजमहिषी ज्ञानकुंवरी की स्मृति में।

14. [b]

व्याख्या:-

A. सुनहरी कोठी – टोंक B. लाल कोठी – जयपुर
C. मृगाया महल – धौलपुर D. लालगढ़ पैलेस – बीकानेर

15. [d]

व्याख्या:-

मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर) में स्थित महल–

- मोती महल, फूल महल, फतेह महल, खबका महल, बिचला महल, जनाना महल, चोखेलाव महल।
- दुर्ग के भीतर फ़तेह महल, सिणगार चौकी महल स्थित हैं। इनमें फूल महल (अभयसिंह द्वारा निर्मित) मेहरानगढ़ का सबसे आकर्षक महल है।
- **सिणगार चौकी -** महाराजा तख्तसिंह द्वारा दौलत खाने के आँगन में निर्मित चौकी, जहाँ जोधपुर के राजाओं का राजतिलक होता था।

16. [d]

व्याख्या:-

हवामहल (जयपुर)

- जयपुर में **5 मंजिला** हवामहल का निर्माण **सवाई प्रतापसिंह** ने 1799 ई. में करवाया।
- 88 फीट ऊँचे इस महल में **953 खिड़कियाँ व 365 जाली झरोखे** हैं।
- **आकार -** श्रीकृष्ण के मुकुट के समान या पिरामिडनुमा।
- यह महल **राधा-कृष्ण** को समर्पित है।
- हवामहल का **वास्तुकार उस्ताद लालचन्द** है।
- **आनन्द पोल -** हवामहल का प्रवेश द्वार।
- इसका निर्माण **बलुआ पत्थर व चूने** से किया गया।
- **एडविन आर्नोल्ड** ने लिखा कि अलादीन का जिन भी इससे अधिक सुन्दर महल का सर्जन नहीं कर सकता।

पाँच मंजिला -

- i. शरद या **प्रताप** मंदिर (सबसे निचली)
  ii. रतन मंदिर iii. विचित्र मंदिर
  iv. प्रकाश मंदिर v. हवा मंदिर (सबसे ऊपरी)
- हवा महल को **वर्ष 1968 में संरक्षित स्मारक** घोषित किया गया।

17. [c]

व्याख्या:-

- जैन कीर्ति स्तम्भ चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) में स्थित हैं।
- इसका निर्माण 12वीं शताब्दी में जैन व्यापारी जीजाशाह बघेरवाल ने करवाया था।

18. [c]

व्याख्या:-

- दिवेर (राजसमंद) में महाराणा प्रताप विजय स्तम्भ का निर्माण एक ऊँची पहाड़ी पर किया गया है।
- इसका उद्घाटन 11 जनवरी, 2012 को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल द्वारा किया गया था।
- स्थानीय लोग इसे "मेवा का मथारा" कहते है।

19. [d]

व्याख्या:-

आमेर महल

- जयपुर में आमेर पैलेस स्थित है।
- **निर्माण -** आमेर की **मावठा झील** के पास की **कालीखोह** पहाड़ी पर कच्छवाहा नरेश **मानसिंह** द्वारा 1592 ई. में बनाया गया था।
- ये **हिन्दू-मुस्लिम** शैली के समन्वित रूप है।
- **मिर्जा राजा जयसिंह** ने 1639 ई. में **गणेश पोल** का निर्माण करवाया। फर्ग्यूसन के अनुसार गणेश पोल दरवाजा स्थापत्य एवं चित्रकला के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

20. [d]

व्याख्या:-

उम्मेद भवन (जोधपुर)

- **निर्माण -** महाराजा उम्मेदसिंह ने करवाया।
- इस महल की **नींव 18 नवम्बर, 1929** को रखी गई और यह वर्ष 1943 में पूर्ण हुआ।
- **वास्तुविद् -** सर सैमुअल स्विंटन जैकब एवं विद्याधर।
- **इंजीनियर -** हेनरी वॉगन लेंचेस्टर।
- यह विश्व का सबसे बड़ा रिहायशी महल है।
- यह महल **छीतर पत्थर** से निर्मित होने के कारण **'छीतर पैलेस'** भी कहलाता है।
- इस महल का निर्माण **अकाल राहत कार्यों** के तहत सम्पन्न हुआ था।
- यह भवन **'इंडो-डेको स्टाइल'** में निर्मित किया गया।
- वर्तमान में उम्मेद भवन में **संग्रहालय, थियेटर, केन्द्रीय हॉल व उद्यान** दर्शनीय है।
- इस भवन में **घड़ियों का एक संग्रहालय** भी है।

21. [d]

व्याख्या:-

सामोद महल

- जयपुर से 40 किमी. पूर्व में स्थित इस महल का निर्माण **राजा बिहारीदास** ने 1550 ई. के मध्य करवाया।
- इस महल का मुख्य आकर्षण **शीशमहल** है।
- शीशमहल का निर्माण **रावल शिवसिंह** ने 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में करवाया।
- सामोद में कलात्मक एवं विशाल महलों में चित्रकारी के अलावा काँच और मीनाकारी का बेमिसाल काम है।
- यहाँ **सुल्तान महल** भी दर्शनीय है।
- सामोद में **सात बहनों** का मंदिर भी है।

22. [b]

व्याख्या:-

84 खंभों की छतरी

- बूँदी में देवपुरा नामक स्थान पर इस छतरी का निर्माण राव राजा अनिरुद्ध सिंह ने **धाबाई देवा गुर्जर** की स्मृति में करवाया।
- 1683 ई. में निर्मित यह तीन मंजिला छतरी 84 खम्भों पर टिकी हुई हैं।

मामा-भांजे की छतरी

- यह **10 खंभों की छतरी** है। **मेहरानगढ़ दुर्ग** में स्थित है।
- यह छतरी धन्ना गहलोत तथा भीयां चौहान की है, जो आपस में मामा-भांजे थे।

23. [d]

व्याख्या:-

जगनिवास पैलेस

- उदयपुर में **पिछोला झील** के मध्य स्थित महल में स्थित है।
- इसका निर्माण 1746 ई. में **महाराणा जगतसिंह द्वितीय** द्वारा करवाया गया।
- एक टापू पर बने इस महल के चारों ओर पानी है।
- प्राचीन महलों में संगमरमर का बना हुआ **'धोला महल'** देखने योग्य है।

24. [d]

व्याख्या:-

i. बादल महल, जैसलमेर

- इसका उपनाम ताजिया टावर है।

ii. लालगढ़ पैलेस (बीकानेर)

- इस इमारत का निर्माण **महाराजा गंगासिंह** द्वारा अपने पिता **लालसिंह** की स्मृति में करवाया गया।
- **डिजाइनर -** सर स्विंटन जैकब।
- **उद्घाटन -** 24 नवम्बर, 1915 को भारत के वायसराय लॉर्ड हार्डिंग्स द्वारा उद्घाटन किया गया था।
- इस महल में **'अनूप संस्कृत लाइब्रेरी'** एवं **'शार्दुल संग्रहालय'** है।

जूना महल

- **डूँगरपुर** में धन माता पहाड़ी पर निर्मित महल।

25. [c]

व्याख्या:-

राईका बाग पैलेस

- **जोधपुर** में महाराजा जसवंतसिंह प्रथम की **रानी हाड़ी जी** ने 1663 ई. में राई का बाग पैलेस का निर्माण करवाया।
- महाराजा **जसवंतसिंह द्वितीय** इस महल में बैठकर स्वामी दयानन्द के उपदेश सुना करते थे।

26. [c]

व्याख्या:-

- बागोर की हवेली - उदयपुर
- नथमल की हवेली - जैसलमेर
- सालिमसिंह की हवेली – जैसलमेर
- लालचन्द ढड्ढा – फलौदी

27. [b]

व्याख्या:-

त्रिमुखी बावड़ी (उदयपुर) –

- निर्माता: रानी रामरसदे
- इस बावड़ी का निर्माण मेवाड़ के महाराणा राज सिंह की पत्नी रानी रामरसदे ने करवाया था। इसे 'जया बावड़ी' के नाम से भी जाना जाता है।

नौलखा बावड़ी (डूँगरपुर)–

- निर्माता: रानी प्रिमल देवी
- डूँगरपुर के महारावल आसकरण की पत्नी रानी प्रिमल देवी ने इसका निर्माण करवाया था। यह अपनी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है।

रानी जी की बावड़ी (बूँदी) –

- निर्माता: रानी नाथावत
- बूँदी के शासक राव राजा अनिरुद्ध सिंह की रानी लाडकंवर नाथावत ने इसका निर्माण करवाया था। इसे 'बावड़ियों का सिरमौर' कहा जाता है।

चतरा धाबाई की बावड़ी (बूँदी):

- निर्माता: भीका
- इस बावड़ी का निर्माण राव राजा शत्रुसाल के शासनकाल के दौरान चतरा धाबाई के पुत्र भीका ने करवाया था।

28. [a]

व्याख्या:-

- कानोडिया हवेली - बिसाऊ (झुंझुनूं)
- सेकसरिया की हवेली - नवलगढ़ (झुंझुनूं)
- रामपुरिया हवेली - बीकानेर
- रत्नाकर भट्ट पौण्डरीक की हवेली - जयपुर

29. [b]

व्याख्या:-

- बाँदीकुई रेलवे स्टेशन (दौसा) से 8 किमी. दूर **साबी नदी** के निकट।
- चाँद बावड़ी के नाम से विख्यात आभानेरी बावड़ी का निर्माण 8वीं सदी में प्रतिहार **राजा चाँद** ने करवाया। यहीं पर 8वीं शताब्दी में बना हर्षद माता का मंदिर है।
- इसमें 3500 सीढ़ियाँ बनी हुई है।
- 29 दिसंबर, 2017 को बावड़ी पर 5 रुपये का डाकटिकट जारी किया गया था।

30. [d]

व्याख्या:-

- घड़सीसर (गडीसर) झील बीकानेर में नहीं, बल्कि जैसलमेर जिले में स्थित है। इसका निर्माण जैसलमेर के शासक महारावल घड़सी सिंह ने करवाया था।

31. [c]

व्याख्या:-

1. गैटोर की छतरियाँ

- **नाहरगढ़** में स्थित जयपुर के दिवंगत राजाओं की छतरियाँ।
- केवल सवाई ईश्वरी सिंह की छतरी यहाँ नहीं है।

2. जसवंत थड़ा

- शाही स्मारक महाराजा **जसवंतसिंह द्वितीय** की याद में उसके उत्तराधिकारी **महाराजा सरदार सिंह** द्वारा 1899 ई. में सफेद संगमरमर से निर्मित भव्य इमारत।
- इसे **'राजस्थान का ताजमहल'** कहा जाता है।
- यहाँ जोधपुर के अन्य शासकों की छतरियाँ भी हैं।

कोटा की छतरियाँ

- 1. क्षारबाग की छतरी (छत्र विलास) 2. पद्मापीर की छतरी

1. बड़ा बाग की छतरियाँ

- यहाँ **भाटी राजपरिवार** की छतरियाँ स्थित है।
- यहाँ सर्वप्रथम जैसलमेर के शासक **रावल जैतसिंह तृतीय की छतरी** का निर्माण उनके पुत्र महारावल लूणकरणसिंह ने 1528 ई. में करवाया।
- यहाँ पर भव्य कलात्मक 104 स्मारकों का निर्माण हुआ है।

♦♦♦♦

भारत का इतिहास

सिंधु घाटी सभ्यता

1. सिंधु घाटी सभ्यता का उद्घाचन अभी तक नहीं किया गया है। निम्नलिखित कारणों पर विचार करें-
1. उनकी भाषा के बारे में कोई जानकारी नहीं है।
2. अभिलेखों की छोटी लंबाई।
3. द्विभाषा लेखों की अनुपस्थिति।
उक्त में से कौन-सा/से सही कारण है/हैं?
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

2. हड़प्पा लिपि के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(a) कुछ ऐसे उदाहरण भी उपलब्ध हैं कि यह लिपि बाईं ओर से दाईं ओर को लिखी जाती है।
(b) हड़प्पा लिपि शब्दाक्षरिक है, अर्थात प्रत्येक प्रयुक्त प्रतीक किसी शब्द या शब्दांश के लिए होता है।
(c) यह सामान्य रूप से दाईं ओर से बाईं ओर पढ़ने के लिए लिखी जाती है।
(d) लेखन के सबसे लंबे प्रतिरूप में 30 संकेत हैं।

3. निम्नलिखित हड़प्पीय स्थलों में से किनमें चावल की खेती के प्रमाण मिले हैं?
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए
1.कालीबंगा 2. लोथल
3. मोहनजोदड़ो 4. सुरकोटदा
कूट:-
(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4

4. सूची-I में उल्लिखित स्थलों को सूची-II में उल्लिखित तथ्यों से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

सूची-I	सूची-II
A. हड़प्पा	I. शवाधान
B. लोथल	II. गोदीबाड़ा
C. कालीबंगा	III. एक नर्तकी की आकृति
D. मोहनजोदड़ो	IV. जुता हुआ खेत

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-I, B-II, C-IV, D-III

5. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?
(a) आलमगीरपुर - उत्तर प्रदेश
(b) लोथल - गुजरात
(c) कालीबंगा - हरियाणा
(d) रोपड़ - पंजाब

6. अधोलिखित तांबे की वस्तुओं में कौन दैमाबाद निधि में सम्मिलित है?
(a) भैंस, गैंडा, बैल और एक घोड़े का रथ
(b) बैल, हाथी, गैंडा और दो घोड़ों का रथ
(c) घोड़ा, कुत्ता, हाथी और दो बैलों के रथ पर सवार खड़ा रथी
(d) हाथी, गैंडा, भैंस और दो बैलों के रथ पर सवार खड़ा रथी

7. निम्नलिखित कलाकृति एवं स्थल को सुमेलित कीजिये-

कलाकृति	स्थल
A. लाल बलुआ पत्थर का पुरुष धड़	I. मोहनजोदड़ो
B. दाढ़ीयुक्त पुरुष की पाषाण प्रतिमा	II. हड़प्पा
C. पुरुष एवं कुत्ता कांस्य के रथ की प्रतिकृति पर	III. लोथल
D. पकी हुई मिट्टी से निर्मित माव की प्रतिकृति	IV. दायमाबाद

(a) A-III, B-I, C-IV, D-II
(b) A-II, B-I, C-IV, D-III
(c) A-I, B-II, C-IV, D-III
(d) A-III, B-II, C-IV, D-I

8. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन- I : सिन्धु सरस्वती सभ्यता नगर योजना हेतु प्रसिद्ध थी।
कथन- II : उन्नत सिन्धु सरस्वती सभ्यता का विकास सिन्धुघाटी की सहायक नदियों और सरस्वती नदी क्षेत्र के किनारे हुआ था।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) कथन 1 सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(d) कथन 1 असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।

9. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. बालाकोट	(1) गुजरात
B. चन्हूदडो	(2) बलूचिस्तान
C. भगतराव	(3) पंजाब
D. रोपड़	(4) सिन्ध

कूट:-
(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-I, B-III, C-II, D-IV
(c) A-II, B-IV, C-I, D-III
(d) A-II, B-IV, C-III, D-I

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. सिंधु सभ्यता में पशुपालन महत्वपूर्ण था।
II. ऊँट और घोड़े के व्यापक प्रमाण मिलते हैं।
III. बैल कृषि कार्य का मुख्य आधार था।
उपर्युक्त में से सही कथन है/हैं-
(a) केवल I (b) I और III
(c) II और III (d) I, II और III

11. हड़प्पा शहरों की सड़क योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. हड़प्पा शहरों में मुख्य सड़कें आम तौर पर उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम दिशाओं में चलती थीं।
2. गलियाँ और उप-गलियाँ इलाके की प्राकृतिक ढलान के अनुरूप अनियमित रूप से संरेखित थीं।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

12. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (प्राचीन स्थल)	सूची-II (साक्ष्य)
(A) बालाकोट	(I) मनका बनाने का कारखाना
(B) सुरकोटड़ा	(II) जहाज की गोदी
(C) लोथल	(III) कलश शवाधान
(D) चन्हुदडो	(IV) सीप उद्योग

कूट:-
(a) A-IV, B-III, C-II, D-I
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-III, B-I, C-IV, D-II
(d) A-II, B-IV, C-III, D-I

13. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) दूसरे को कारण (R) नाम दिया गया है। आप इन कथनों का परीक्षण कीजिए और नीचे दिए हुए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए :
कथन (A) : मोहनजोदड़ो करीब 2000 ई. पू. तक उजड़ गया था किन्तु दूसरी ओर कालीबंगा और लोथल 18वीं शताब्दी ई. पू. तक विद्यमान रहे थे।
कारण (R) : ऐसा प्रतीत होता है कि हड़प्पा संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों के अस्तित्व में अन्तर था।
कूट:-
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है किन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है किन्तु (R) सही है।

14. निम्नलिखित युग्मों को सुमेलित कीजिए।

खोज	हड़प्पा स्थल
(1) खेतों की जुताई	A. मोहनजोदड़ो
(2) कोई दुर्ग नहीं	B. चन्हुदड़ो
(3) घोड़ों की हड्डियाँ	C. कालीबंगा
(4) किलाबंदी वाला निचला शहर	D. सुरकोटडा

(a) 1-C, 2-B, 3-A, 4-D
(b) 1-B, 2-C, 3-D, 4-A
(c) 1-C, 2-B, 3-D, 4-A
(d) 1-B, 2-C, 3-A, 4-D

15. 'फ़ेयॅन्स' के बारे में निम्नलिखित में से कौन से कथन पूर्ण सत्य हैं?
(I) फ़ेयॅन्स की खदानें मेहरगढ़ में मिली हैं।
(II) फ़ेयॅन्स प्राकृतिक तौर पर पाए जाते थे।
(III) बालू या स्फटिक पत्थर के चूर्ण को गोंद में मिलाकर उनसे वस्तुएँ बनाई जाती थीं।
(IV) उसके बाद उन वस्तुओं पर एक चिकनी परत चढाई जाती थी।
(V) फ़ेयॅन्स से मनके, चूड़ियाँ, झुमके और छोटे बर्तन बनाए जाते थे।
(a) I, II, III (b) II, III, IV
(c) III, IV, V (d) IV, V, I

16. निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में सही है/हैं -
I. मोहनजोदड़ो में एक विशेष तालाब था जिसे पुरातत्वविदों ने महान स्नानागार कहा था।
II. लोथल तथा कालीबंगन में आग की वेदी के प्रमाण मिले हैं।
(a) केवल I
(b) केवल II
(c) I तथा II दोनों
(d) ना ही I ना ही II

17. हड़प्पा सभ्यता से प्राप्त पशुपति-मुहर संबन्धी निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
I. यह मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई थी ।
II. इस पर योगी की मुद्रा में एक मानवीय आकृति का चित्रण हुआ है।
III. मार्शल ने इसे आदि शिव की संज्ञा दी है।
IV. छः प्रतीकों वाला एक चित्रात्मक अभिलेख इस मुहर पर उत्कीर्ण हुआ है।
सही उत्तर चुनिये :
(a) I, II और IV
(b) II और III
(c) II और IV
(d) I, II, III और IV

18. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित है ?

नवपाषाण कालीन स्थल	प्रमुख विशेषता
I. बुर्जहोम	गर्त आवास
II. कोल्डीहवा	धान के अवशेष
III. उत्तनूर	राख के ढेर
IV. मेहरगढ़	प्राचीनतम नवपाषाण स्थल

(a) I और IV (b) I, II और IV
(c) II और IV (d) I, II, III और IV

19. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
(a) हड़प्पा सभ्यता की कांस्य प्रतिमाओं को "खोई हुई मोम" तकनीक का उपयोग करके बनाया गया था।
(b) सिंधु घाटी सभ्यता में, लिपि की शैली ब्राह्मी थी।
(c) मुहरें ज्यादातर सैलखड़ी से बने होते थे।
उपरोक्त कौन सा/से कथन सही है। हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 3
(d) उपरोक्त सभी

20. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन (I): सिंधु सरस्वती सभ्यता के प्रमुख स्थल हड़प्पा, मोहन-जो-दड़ो और बहावलपुर अब पाकिस्तान में हैं।
कथन (II): कालीबंगा, राखीगड़ी, धौलावीरा, रानोपुर और लोथाल भारत में हैं।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें :
(a) कथन (a) असत्य है किंतु कथन (II) सत्य है।
(b) कथन (I) और कथन (II) दोनों सत्य हैं।
(c) कथन (I) और कथन (II) दोनों असत्य हैं।
(d) कथन (a) सत्य है किंतु कथन (II) असत्य है।

उत्तर सहित व्याख्या

1. [d]

व्याख्या:-

◈ सिंधु लिपि के न पढ़े जाने के मुख्य कारण उसकी अज्ञात भाषा, औसतन बेहद छोटे अभिलेख (सिर्फ 4-5 संकेत) तथा मिस्र की तरह किसी 'द्विभाषी लेख' (Bilingual text) का न मिलना है, जिससे तुलना की जा सके।

2. [d]

व्याख्या:-

◈ हड़प्पा लिपि के बारे में कथन (d) गलत है क्योंकि पुरातात्विक साक्ष्यों के अनुसार हड़प्पा की मुहरों पर पाए गए सबसे लंबे अभिलेख में 26 संकेत (चिह्न) हैं, न कि 30।

3. [a]

व्याख्या:-

◈ सिंधु घाटी सभ्यता के अंतर्गत धान/चावल की खेती के पुरातात्विक साक्ष्य मुख्य रूप से गुजरात के **लोथल** और राजस्थान के **कालीबंगा** से प्राप्त हुए हैं

4. [d]

व्याख्या:-

◈ हड़प्पा से शवाधान के प्रमाण मिले हैं, लोथल अपने गोदीबाड़े के लिए प्रसिद्ध है, कालीबंगा से जुते हुए खेत के अवशेष मिले तथा मोहनजोदड़ो से कांस्य निर्मित नर्तकी की प्रसिद्ध आकृति प्राप्त हुई।

5. [c]

व्याख्या:-

◈ कालीबंगा हरियाणा में नहीं, बल्कि राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित एक प्रमुख सिंधु सभ्यता स्थल है। आलमगीरपुर उत्तर प्रदेश, लोथल गुजरात तथा रोपड़ पंजाब में स्थित हैं।

6. [d]

व्याख्या:-

◈ महाराष्ट्र के दैमाबाद से प्राप्त प्रसिद्ध ताम्र निधि में हाथी, गैंडा, भैंस तथा दो बैलों द्वारा खींचे जाने वाले रथ पर खड़े रथी की आकृतियाँ मिली हैं। यह ताम्र कलाकृतियों का महत्वपूर्ण पुरातात्विक साक्ष्य है।

7. [b]

व्याख्या:-

◈ लाल बलुआ पत्थर का पुरुष धड़ हड़प्पा से मिला, दाढ़ीयुक्त पुरुष प्रतिमा मोहनजोदड़ो से, कांस्य रथ प्रतिकृति दैमाबाद से तथा मिट्टी की नाव की प्रतिकृति लोथल से प्राप्त हुई।

8. [a]

व्याख्या:-

◈ सिंधु-सरस्वती सभ्यता सुव्यवस्थित नगर योजना के लिए प्रसिद्ध थी। इसका विकास सिंधु नदी तंत्र तथा सरस्वती क्षेत्र के आस पास विस्तृत भूभाग में हुआ था।

9. [c]

व्याख्या:-

◈ बालाकोट बलूचिस्तान, चन्हूदड़ो सिंध, भगतराव गुजरात तथा रोपड़ पंजाब में स्थित था। ये स्थल सिंधु सभ्यता के विस्तृत भौगोलिक प्रसार को दर्शाते हैं।

10. [b]

व्याख्या:-

◈ सिंधु सभ्यता में पशुपालन महत्वपूर्ण था और बैल कृषि का आधार था। ऊँट व घोड़े के व्यापक प्रमाण नहीं मिले, इसलिए कथन ii गलत है।

11. [a]

व्याख्या:-

◈ हड़प्पाई नगरों की सड़कें प्रायः उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम दिशा में ग्रिड पद्धति से बनी थीं। गलियाँ नियमित थीं, अनियमित नहीं।

12. [a]

व्याख्या:-

◈ बालाकोट सीप उद्योग, सुरकोटड़ा कलश शवाधान, लोथल जहाज की गोदी और चन्हूदड़ो मनका निर्माण उद्योग के लिए प्रसिद्ध स्थल था।

13. [a]

व्याख्या:-

◈ हड़प्पा संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में पतन का समय अलग-अलग था। इसी कारण कुछ नगर पहले समाप्त हुए जबकि अन्य बाद तक अस्तित्व में रहे।

14. [c]

व्याख्या:-

◈ कालीबंगा से जुते खेत, चन्हूदड़ो में दुर्ग का अभाव, सुरकोटड़ा से घोड़ों की हड्डियाँ तथा मोहनजोदड़ो में किलाबंद निचले नगर के प्रमाण मिलते हैं।

15. [c]

व्याख्या:-

◈ फ़ेयॅन्स कृत्रिम पदार्थ था। इसे बालू या क्वार्ट्ज चूर्ण, गोंद और चमकीली परत से बनाया जाता था तथा इससे मनके, चूड़ियाँ और छोटे बर्तन बनते थे।

16. [c]

व्याख्या:-

◈ मोहनजोदड़ो का महान स्नानागार सिंधु सभ्यता की प्रमुख संरचना थी। वहीं लोथल और कालीबंगन से अग्निवेदियों के अवशेष मिले हैं, जो धार्मिक गतिविधियों के संकेत देते हैं।

17. [d]

व्याख्या:-

◈ पशुपति मुहर मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई। इसमें योग मुद्रा वाली आकृति, छह प्रतीकों का लेख और मार्शल द्वारा 'आदि शिव' की व्याख्या प्रसिद्ध है।

18. [d]

व्याख्या:-

◈ बुर्जहोम गर्त आवास, कोल्डीहवा धान अवशेष, उत्तनूर राख टीले तथा मेहरगढ़ प्रारंभिक नवपाषाण संस्कृति के महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत करते हैं।

19. [b]

व्याख्या:-

◈ कांस्य प्रतिमाएँ खोई मोम तकनीक से बनी थीं और मुहरें प्रायः सैलखड़ी की थीं। सिंधु लिपि ब्राह्मी नहीं, बल्कि अपठित लिपि थी।

20. [b]

व्याख्या:-

◈ हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और बहावलपुर क्षेत्र के प्रमुख स्थल वर्तमान पाकिस्तान में हैं, जबकि कालीबंगा, राखीगढ़ी, धौलावीरा, रंगपुर और लोथल भारत में स्थित हैं।

♦♦♦♦

विज्ञापन
अब सरकारी अफसर बनने की राह हुई और भी आसान।
9:41
Lakshya Classes Udaipur
Lakshya classes
In-app purchases
Uninstall
Open
About this app
E – Learning Education for Exams: REET MAIN, CET RAS, RPSC, RSMSSB Etc.
Education
Study guides
4.6★
9K reviews
3+
Rated for 3+
1M+
Downloads
LAKSHYA CLASSES APP
AFFORDABLE
Quality Education
RECORDED ONLINE COURSES
TEST SERIES
Practice & Improve
Data safety
RAS
PRELIMS 2026
मरुधर RAS BATCH
LIVE FROM CLASSROOM
AND RECORDED BATCH
OFFLINE
नए बैच
प्रारंभ
Scan to Download Lakshya App Now
Google play
MRP : ₹ 299
व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध
राजस्थान की अनुभवी टीम, अब एक ही प्लेटफार्म पर
Irfan Mansuri Sir (RAS)
Economic Survey
Dr. Manish Shrimali Sir
Indian History
Dr. Naveen Sir
INDIAN POLITY
Dr. Dharmendra Sir
WORLD GEOGRAPHY
S.K. Sir
Rajasthan Geography
Anil Sir
Math And Reasoning
Manoj Kothari Sir
ART & CULTURE
Rakesh Sir
ECONOMICS
Ratan Sir
RAJASTHAN HISTORY
Nagvendra Sir
RAJASTHAN POLITY
Dr. Naresh Sir
Science
Rahul Sir
Science
S.No.AP0139
CODE : APDO(35) NRT
सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान
लक्ष्य क्लासेज TM
M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur